पटना ● मंगलवार, 13 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः213 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

"खबरों से समझौता नहीं"

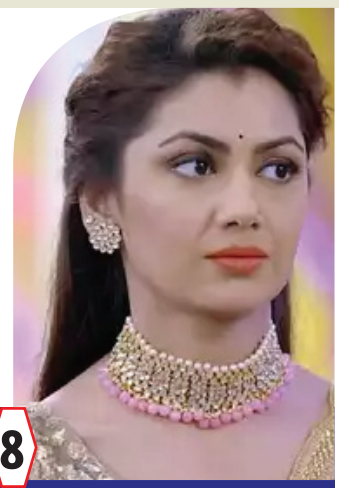

पंचायत भवन में स्वास्थ्य शिविर का... 3 www. bordernewsmirror.com अभिनेत्री श्रीति झा ने... 8

देशभर में मानसून का जलजला

● राजस्थान में 3 दिनों से लगातार बारिश, बांध टूटा, 7 जिलों में बाढ़, 24 घंटे में 20 मौतें ● उ.प्र-बिहार में गंगा उफान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में 3 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। जयपुर समेत 7 जिलों (धौलपुर, करौली, भरतपुर, दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर) में बाढ़ जैसे हालात हैं। सवाई माधोपुर में बांध टूटने से कई इलाके डूब गए।

राज्य में बारिश के चलते 24 घंटे में 20 लोगों की मौत हो गई है। डूबने से 18 और मकान ढहने से 2 मौतें हुईं। जयपुर समेत 5 जिलों में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। इधर, उत्तर प्रदेश और बिहार में गंगा नदी उफान पर हैं। यूपी में गंगा-यमुना के किनारे बसे 15 जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति है। बिहार में गंगा, गंडक समेत 4 बड़ी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

13 अगस्त को 14 राज्यों में बारिश का अनुमान- मौसम विभाग ने मंगलवार (13 अगस्त) को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखंड, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक, केरल में बारिश की संभावना जताई है।

महिला डॉक्टर की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन

● हड़ताल पर भगवान, मरीज परेशान ● सीबीआई जांच की कर रहे मांग

ओपीडी नियमित सर्जरी व अन्य रूटीन सेवाएं बंद

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में डॉक्टर की हत्या के विरोध में सोमवार को दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर हड़ताल पर हैं। एम्स और आरएमएल में डॉक्टर हड़ताल पर बैठ गए हैं। सीनियर्स डॉक्टरों ने मोर्चा संभाला लिया है। दिल्ली में केंद्र सरकार के चार अस्पताल में 40 हजार से अधिक मरीज आते हैं। तो वहीं दिल्ली सरकार के 38 अस्पताल में 42 हजार से ज्यादा मरीज इलाज कराने आते हैं। इस सभी अस्पताल में हजार से ज्यादा डॉक्टर हड़ताल कर रहे हैं।

दिल्ली में एम्स, आरएमएल और एलएनजेपी अस्पताल के डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठ गए हैं। एलएनजेपी अस्पताल के डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि हमने नोटिस दिया। हम आज ओपीडी सेवा में शामिल नहीं होंगे।

इन अस्पतालों में सेवाएं रहेंगी प्रभावित

सफदरजंग, डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज व अस्पताल, दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, गुरु तेग बहादुर अस्पताल, मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इबहास), मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज व संबंधित अस्पताल (लोकनायक व अन्य) सहित अन्य अस्पतालों के रेजिडेंट डॉक्टर सेवाएं नहीं देंगे।

आपातकालीन सेवाएं रहेंगी जारी- रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन का कहना है कि सिर्फ आपातकालीन सेवाएं मिलेंगी। ओपीडी, इलेक्टिव सर्जरी, वार्ड में सेवाएं, लैब में जांच सहित अन्य कार्यों में डॉक्टर मदद नहीं करेंगे।

ये हैं डॉक्टरों की मांग

डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टरों को सुरक्षित माहौल देने के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है। सफदरजंग अस्पताल में करीब दो हजार रेजिडेंट डॉक्टर हैं। यह सभी असहयोग में साथ देंगे। अक्सर देखा गया है कि ड्यूटी के दौरान डॉक्टरों से मारपीट की घटना हो जाती है, लेकिन उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षित माहौल देने की व्यवस्था नहीं की जा रही है।

18 अगस्त तक पुलिस केस सॉल्व नहीं कर पाई तो जांच सीबीआई को सौंप देंगे-सीएम ममता

इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सोमवार सुबह ट्रेनी डॉक्टर के घर पहुंचीं। यहां उन्होंने कहा- 18 अगस्त तक पुलिस केस सॉल्व नहीं कर पाई तो जांच सीबीआई को सौंप देंगे। हालांकि, सीबीआई का सक्सेस रेट काफी कम है। केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में भी चलना चाहिए।

● शंभू बॉर्डर पर किसानों के चक्काजाम पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा-

हाईवे ट्रैक्टरों की पार्किंग के लिए नहीं, इसे जल्द खोला जाए

● सड़क को आंशिक रूप से खोलने का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट शंभू बॉर्डर को आंशिक रूप से खोले जाने को लेकर गंभीर हो गया है। अदालत ने आदेश दिया की इसे जल्द खोला जाए। इसके लिए पंजाब और हरियाणा के डीजीपी को एक सप्ताह के भीतर बैठक करने और समाधान निकालने को कहा है। दरअसल, किसान एमएसपी को लेकर पिछले कई सालों से आंदोलन पर हैं। केंद्र सरकार से कई राउंड की उनकी वार्ता भी हो चुकी है, मगर समाधान नहीं निकल सका। इस साल फरवरी में एक बार फिर किसानों ने दिल्ली की ओर रुख किया तो उन्हें रोकने के लिए हरियाणा सरकार ने शंभू बॉर्डर पर बैरिकेड लगा दिए। तब से किसान वहीं बैठे हैं।

यात्रियों के लिए एक-एक लेन खोली जा सकती- सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हुई सुनवाई में कहा कि शंभू बॉर्डर पर यात्रियों के लिए एक-एक लेन खोली जा सकती है। अदालत ने पंजाब और हरियाणा के डीजीपी को पटियाला और अंबाला जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ एक सप्ताह के भीतर बैठक करने को कहा है। इसके अलावा, कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि वह किसानों को सड़क से ट्रैक्टर हटाने के लिए राजी करे।

पीठ ने कहा कि हाईवे ट्रैक्टरों की पार्किंग के लिए नहीं हैं। शंभू में सड़क को आंशिक रूप से खोलने का आदेश एंबुलेंस, आवश्यक सेवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, छात्राओं और आसपास के क्षेत्रों के स्थानीय यात्रियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक है। हम शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शनकारी किसानों से बात करने के लिए गठित की जाने वाली समिति की शर्तों पर संक्षिप्त आदेश पारित करेंगे। शीर्ष अदालत ने इससे पहले पंजाब और हरियाणा सरकारों से कहा था कि वे शंभू सीमा पर अपने उत्पादों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी जैसी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों तक पहुंचने के लिए एक स्वतंत्र समिति गठित करने हेतु कुछ तटस्थ व्यक्तियों के नाम सुझाएं।

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हिंसा के खिलाफ उतरे शिक्षाविद् और इतिहासकार

खुला पत्र लिख संसद में प्रस्ताव लाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ लगातार हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। हिंदुओं के घरों के साथ-साथ मंदिरों को भी निशाना बनाया जा रहा है। पड़ोसी मुल्क में अब अंतरिम सरकार तो बन गई है, लेकिन वो भी मूक दर्शक बनी बैठी है। इस बीच विभिन्न शिक्षाविदों और इतिहासकारों ने हिंदुओं के खिलाफ इस हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई है। इन लोगों ने भारतीय संसद को खुला पत्र लिख हिंसा के खिलाफ प्रस्ताव पेश करने की मांग की है।

खुले पत्र में क्या की गई मांग?

इस खुले पत्र में भारतीय संसद से हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के खिलाफ प्रस्ताव लाकर हमले रुकवाने की बात कही गई है। इसमें अपराधियों को जल्द पकड़ने की भी मांग की गई है।पत्र में यह भी कहा गया है कि हस्ताक्षरकर्ता सभी लोगों ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय द्वारा सामना की जा रही बढ़ती हिंसा और उत्पीड़न के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के लिए ये पत्र लिखा है। हाल की घटनाओं ने इस क्षेत्र में हिंदुओं के खिलाफ लक्षित हिंसा के एक नए और खतरनाक पैटर्न की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है।

हिंदुओं की लिंचिंग का मनाया जा रहा जश्न

पत्र में कहा गया है कि हमें बहुत परेशान करने वाली घटनाएं देखने को मिल रही है, जिनमें मेहरपुर स्थित एक इस्कॉन मंदिर को जलाना, देश भर में कई हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ और हिंदुओं की लिंचिंग का जश्न मनाते हुए दंगाइयों के वीडियो शामिल हैं।

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की ताजा रैंकिंग जारी, आईआईटी मद्रास देश का नंबर 1 संस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीयूईटी, जेईई, नीट, ककेट, लीएलएटी और अन्य प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईएलएस) में इस साल दाखिला लेने जा रहे करोड़ों छात्र-छात्राओं के लिए बड़ी खबर। देश भर के

विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट, लॉ और अन्य कॉलेजों की ताजा रैंकिंग केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय आज यानी सोमवार 12 अगस्त को जारी की गई। मंत्रालय द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक विभिन्न कटेगरी में टॉप कॉलेजों की रैंकिंग 2024 में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा दोपहर 3 बजे के बाद जारी की गई। इसके बाद इन्हें आधिकारिक वेबसाइट, पर प्रकाशित किया गया।

महंगाई से जनता को बड़ी राहत

● जुलाई में 3.54 फीसदी रही रिटेल इंफ्लेशन, पांच साल में सबसे कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम जनता को महंगाई से बड़ी राहत मिली है। जुलाई में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स पर आधारित महंगाई में सालाना आधार पर बड़ी गिरावट आई है। यह जुलाई में 3.54 फीसदी रही, जो पिछले 59 महीनों यानी करीब 5 साल में सबसे कम है। अगर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महंगाई की बात करें, तो यह क्रमश : 4.10 फीसदी और 2.98 फीसदी रही। सीपीआई पर आधारित रिटेल इंफ्लेशन जून 2024 में 5.08 फीसदी थी। वहीं, जुलाई 2023 में 7.44 फीसदी थी।

कैसा रहा है महंगाई का हाल- सितंबर 2023 के बाद से महंगाई हद से ज्यादा नहीं बढ़ी। यह हमेशा 6 फीसदी के दायरे में ही रही। आरबीआई महंगाई को आदर्श स्थिति में 4 फीसदी तक रखना चाहता है। इसमें 2 फीसदी का मार्जिन रहता है यानी महंगाई दर 2 फीसदी से लेकर 6 फीसदी के दायरे में रहेगी, तो यह ज्यादा चिंता की बात नहीं है।

बांग्लादेश में भारतीय सेना की जीत का स्मारक तोड़ा

● सिर्फ टुकड़े बचे, इसमें पाकिस्तान की हार दिखाई गई थी; हिंदू छात्रों से बात करेंगे यूनुस

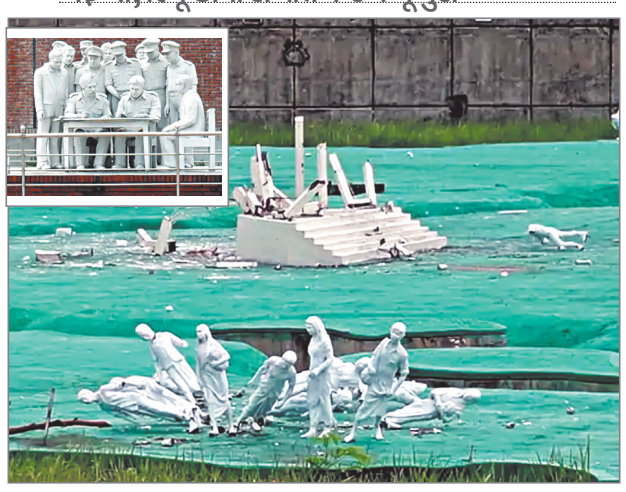

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने 1971 की जंग से जुड़े राष्ट्रीय स्मारक को तोड़ दिया। मुजीबनगर में स्थित यह स्मारक भारत-मुक्तिवाहिनी सेना की जीत और पाकिस्तानी सेना की हार का प्रतीक था। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान के लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी ने हजारों सैनिकों के साथ भारतीय सेना के सामने सरेंडर किया था।

भारतीय सेना के ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट-जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने उन्होंने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए थे। इस स्मारक में उसी की छवि को दर्शाया गया है।

बिहार के राज्यपाल पंहुचे अरेराज, बाबा सोमेश्वरनाथ का किया अभिषेक

महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि ने राज्यपाल को मोमेंटो व अंगवस्त्र देकर किया स्वागत

बीएनएमः अरेराज

बिहार के प्रसिद्ध व प्राचीन पंचमुखी महादेव की नगरी अरेराज में श्रावण मास के चौथे सोमवारी को बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचे। गोविन्दगंज के भाजपा विधायक सुनील मणि तिवारी ने शाल व पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि ने राज्यपाल को मोमेंटो व अंगवस्त्र देकर व मुख्य पार्षद अमितेष कुमार पांडेय ने अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। बिहार के राज्यपाल की कमान संभालने के बाद पहली बार राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर अरेराज के सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर पहुंचे और पूरे भक्तिभाव से पूजा-अर्चना व अभिषेक किया। साथ ही बिहारवासियों के सुख-समृद्धि, शान्ति और विकास की कामना के साथ महामहिम ने पहले मनोकामना पूरक पंचमुखी शिवलिंग के सामने शीश झुकाया। राज्यपाल ने महादेव जी की षोडशोपचार पूजा के बाद शिवलिंग पर रुद्राभिषेक किया और महादेव की आरती की। पूजा-आरती से पूर्व महामहिम ने अपनी पादुका उतारी और हाथ धोकर मंदिर में प्रवेश किया। महावीर मन्दिर के गर्भगृह के सम्मुख पहुंचने पर उन्होंने सोमेश्वरनाथ के दरबार के दर्शन किए और प्रार्थना की। महादेव मंदिर में आचार्य अमर पांडेय व आचार्य चंदन तिवारी ने महामहिम का चंदन-टीका किया। वहां उन्होंने लगभग 25 मिनट तक गंगाजल, नारियल पानी, दूध, दही आदि से रुद्राभिषेक किया। तत्पश्चात उन्होंने महादेव की आरती उतारी। इस दौरान जिला व अनुमण्डल के प्रशासनिक पदाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी सक्रिय रहे।

सीएम नीतीश कुमार ने थमाया नया टास्क, पुल बनाने वाले इंजीनियरों की शुरू हो गई स्पेशल ट्रेनिंग

पटना, एजेंसी। पुलों के अचानक ध्वस्त होने की कई घटनाओं के बाद पुलों के रख रखाव को ले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पथ निर्माण विभाग के आला अधिकारियों को कई निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में पथ निर्माण विभाग ने अब अपने इंजीनियरों के लिए यह ट्रेनिंग आरंभ करायी है कि पुलों के मेंटेनेंस के लिए उन्हें किस तरह की सक्रियता के साथ काम करना है। पुल क्षेत्र के ख्यातिलब्ध विशेषज्ञ वीके रैना को बिहार बुलाकर अभियंताओं को सामूहिक रूप से ट्रेनिंग दी जा रही।

पुलों के रख रखाव को ले अभियंताओं को जो ट्रेनिंग दी जा रही उसके लिए 80-80 अभियंताओं का समूह बनाया गया है। इसमें बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के इंजीनियर विशेष रूप से शामिल हैं।

पुलों के रख रखाव को ले पथ निर्माण विभाग ने एक मार्गदर्शिका तैयार की थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उक्त मार्गदर्शिका का लोकार्पण किया था। उसी मार्गदर्शिका के आधार पर इंजीनियरों को यह प्रशिक्षण दिया जा रहा।

सुपर स्ट्रक्चर से लेकर, बियरिंग व एक्सपैंशन ज्वायंट का निरीक्षण कितनी अवधि के अंतराल पर किया जाए इस बारे में इंजीनियरों को बताया जा रहा। पुल मेंटेनेंस को चल रहे इंजीनियरों के ट्रेनिंग प्रोग्राम में पुलों के स्ट्रक्चरल आडिट पर भी बात चल रही। इंजीनियरों को कहा जा रहा कि इस दिशा में क्षेत्रवार काम कराया जाए।

इससे यह सुविधा होगी कि समस्या बहुत अधिक नहीं बढ़ेगी। संरचना में किसी तरह का दोष मिलता है तो उसे ठीक करने में भी आसानी होगी। सुपर स्ट्रक्चर को नियमित रूप से देखने की बात कही जा रही।

पुलों के डिजायन को ले अथॉरिटी इंजीनियर द्वारा जो मॉडल दिया जाता है उसकी जिम्मेवारी तय करना भी जरूरी है। छोटे से लेकर बड़े पुलों की क्या स्थिति है इस बारे में हाल ही में पथ निर्माण विभाग ने एक सर्वे भी कराया था।

दरभंगा एम्स के निर्माण में आएगी तेजी, नीतीश सरकार ने केंद्र को ट्रांसफर की 150 एकड़ जमीन

पटना, एजेंसी। दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और इनकी बिक्री की निगरानी जांच में अब और तेजी आएगी। सोमवार को एक समारोह में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने नव चयनित 52 ड्रग इंस्पेक्टर और 10 डेंटिस्ट को नियुक्ति पत्र दिया।

इसके साथ ही समारोह में दरभंगा में एम्स निर्माण के लिए सरकार ने 150.31 एकड़ जमीन का हस्तांतरण भी केंद्र सरकार को सौंपा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कि राज्य में औषधि निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया गया है। सरकार उम्मीद करती है कि वे ईमानदारी पूर्वक अपने कार्यों का निर्वहन करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब औषधि निरीक्षकों की संख्या बढ़कर 140 हो गई है। इस दौरान उन्होंने एलान किया कि राज्य सरकार और 770 दांत चिकित्सकों की नियुक्ति की तैयारी कर रही है। सरकार का मकसद है कि जनता का बेहतर और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिले इसके लिए हर संभव कार्य किये जा रहे हैं।

मंत्री पांडेय ने कहा कि दरभंगा एम्स के निर्माण की दिशा में आज एक और कदम उठाया गया है। राज्य सरकार ने 150.13 एकड़ जमीन भारत सरकार को हस्तांतरित कर दी। उम्मीद है कि एम्स दरभंगा का निर्माण कार्य अब तेजी से संभव हो सकेगा।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, सचिव संजय सिंह, स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के कार्यपालक शशांक शेखर सिंह बिहार स्वास्थ्य सेवाएं आधारभूत समस्या निगम के एचडी धर्मेंद्र कुमार के साथ ही दूसरे अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

खुटहां में सीएसपी से हुए लूटकांड का पुलिस ने किया खुलासा, पांच गिरफ्तार

पीरो, एजेंसी। रविवार को पीरो और तरारी थाना क्षेत्रों में घटित दो अलग-अलग आपराधिक कांडों का पुलिस ने खुलासा किया. जिले के इमादपुर थानान्तर्गत खुटहां बाजार स्थित एक बैंक के सीएसपी से पांच अगस्त को हुए लूटकांड का उद्भेदन करते हुए पुलिस ने इस मामले में दो मोटरसाइकिल व तीन के साथ पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. वहीं, पीरो थानान्तर्गत धोबीघटवा के पास लूट के क्रम में मनरेगा कर्मी शशिकांत कुशवाहा उर्फ बिट्टू को गोली मारने के मामले में एक आरोपित को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है. उक्त दोनों मामलों में हुई गिरफ्तारी पुलिस के लिए महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है. इस संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राहुल सिंह ने बताया कि पांच अगस्त को दिन में ही खुटहां बाजार स्थित एक बैंक सीएसपी से हथियार के बल पर लूट की घटना को अंजाम दिया गया था. इस मामले में एसपी भोजपुर के निर्देश पर इमादपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा अगिआंव से प्रियांशु कुमार उर्फ छोटू व संदीप कुमार उर्फ नीलू, खरैंचा से चंदन कुमार सिंह, लसाढ़ी गांव से प्रिंस कुमार तथा पवना से शुभम कुमार को धर दबोचा. गिरफ्तार अभियुक्तों में प्रियांशु कुमार, प्रिंस कुमार व संदीप कुमार उर्फ नीलू का पूर्व के कई आपराधिक कांड़ों में संलिप्तता रही है. इन अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास पुलिस ने खोज निकाला है. ये तीनों उदवंतनगर थाना कांड संख्या 241/2024 के अलावे कुछ और कांडों में शामिल रहे हैं. इधर मनरेगा कर्मी को गोली मारने के मामले में पीरो थानाध्यक्ष सुबोध कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा बरांव मोड से हरिटोला गांव निवासी रितेश कुमार को गिरफ्तार किया जिसके पास से एक पिस्टल, दो कारतूस व धनगाई थाना क्षेत्र से लूटी गयी एक मोटरसाइकिल बरामद की गयी है. पुलिस की इस टीम में पुलिस अवर निरीक्षक नेहा कुमारी व सहायक अवर पुलिस निरीक्षक मुकेश राय सहित पीरो थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे. जांच के क्रम में गिरफ्तार अभियुक्त का धनगाई थाना कांड संख्या 66/2024 में भी नामजद होने की बात सामने आयी है. डीएसपी के अनुसार इस मामले में एक अन्य अभियुक्त को चिह्नित किया गया है जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

सिपाही भर्ती परीक्षा में दूसरे परीक्षार्थी की जगह परीक्षा दे रहा मुन्ना भाई गिरफ्तार

हाजीपुर, एजेंसी। केंद्रीय चयन पर्षद की सिपाही भर्ती परीक्षा की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाकर दूसरे परीक्षार्थी के बदले परीक्षा दे रहे एक मुन्ना भाई को हाजीपुर के एक परीक्षा केंद्र से गिरफ्तार किया गया है. पकड़ा गया मुन्ना भाई बेलसर थाना के मझौली गांव का रहने वाला बताया गया है. पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है. जानकारी के अनुसार रविवार को सिपाही भर्ती की परीक्षा के दौरान नगर थाना के सांचीपट्टी तंगौल रोड स्थित एमपीएस एकेडमी परीक्षा केंद्र से परीक्षा के दौरान एक मुन्ना भाई को पकड़ा गया. पकड़ा गया आरोपित सुमन कुमार पटेढ़ी बेलसर थाना के मझौली गांव निवासी विजय सिंह का पुत्र बताया गया है. बताया जाता है कि आरोपित परीक्षा केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाकर न सिर्फ परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश करने में सफल रहा बल्कि परीक्षा में शामिल भी हो गया था।

ओबरा में खेत में काम कर रहे किसान को चाकू मार किया ज़ख्मी

ओबरा, एजेंसी। ओबरा थाना क्षेत्र के झांझु बिगहा गांव में खेत पटवन के दौरान चाकूबाजी होने का मामला प्रकाश में आया है. इस घटना में 57 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति जख्मी हो गया. उसकी पहचान ओबरा बाजार स्थित मस्जिद रोड निवासी राजाराम गुप्ता के पुत्र संजय गुप्ता के रूप में हुई है. घटना रविवार की सुबह की है. सदर अस्पताल में इलाज के दौरान जख्मी संजय गुप्ता ने बताया कि वे झांजू बिगहा में खेत की पटवन कर रहे थे. इसी दौरान गांव के ही कुछ लोग पहुंचे और किसी बात को लेकर बहस करने लगे. मामला धीरे-धीरे तूल पकड़ लिया. आरोप है कि आवेश में उक्त लोगों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे संजय गुप्ता गंभीर रूप से जख्मी हो गया. चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना परिजनों को दी. सूचना पर बदहवास परिजन पहुंचकर शोरगुल करने लगे. कुछ लोगों ने घटना की सूचना डायल 112 के पुलिसकर्मियों को दी।

किशनगंज से सटे इस्लामपुर में बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, 15 हजार में हुई थी बॉर्डर पार कराने की डील

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज से सटे इस्लामपुर में बंगाल पुलिस ने एक बांग्लादेशी को गिरफ्तार किया है। वह पिछले दो वर्षों से अपना परिचय छिपाकर जम्मू-कश्मीर में रह रहा था। गिरफ्तार किया गया उस्मान गनी बांग्लादेश के ठाकुरगांव जिला के रहने वाला है।

भारतीय सीमा पर कटी बाड़ को पारकर वह बांग्लादेश जाने की फिराक में था। शुक्रवार की देर रात उस्मान को इस्लामपुर थाना के अंतर्गत रामगंज फांड़ी की पुलिस ने गिरफ्तार किया।

मौजूदा समय में बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति गंभीर को देखते हुए भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद भी उस्मान को दलालों ने महज 15 हजार रुपये में सीमा पार करवाने का झांसा दिया था। उसे शनिवार को इस्लामपुर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। वहां से उसे आठ दिनों की पुलिस रिमांड में भेज दिया गया।

उस्मान ने बताया है उसके जैसे बहुत लोग रोजी-रोजगार के लिए जम्मू-कश्मीर में काम करते हैं। वह जम्मू-कश्मीर में राजमिस्त्री का काम कर रहा था।

इस्लामपुर एसपी जोबी थमास ने बताया सूचना के आधार पर बांग्लादेशी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नागरिक से पूछताछ की जा रही है कि आखिर किस उद्देश्य से उसने भारत में प्रवेश किया था।

पटना में शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज, पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में सोमवार को बीपीएससी के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

इससे कई शिक्षक अभ्यर्थी घायल हो गए। बता दें कि टीआरई-3 (शिक्षक भर्ती परीक्षा) से जुड़े अभ्यर्थी वन कैंडिडेट वन रिजल्ट की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

मिली जानकारी के अनुसार, बीपीएससी कार्यालय के सामने मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों-छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज क्यों किया ये बड़ा सवाल है। दरअसल, अभ्यर्थी वन कैंडिडेट वन रिजल्ट जारी करने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी कर रहे थे।

नेहरू पथ पर दर्जनों की संख्या में पहुंचे अभ्यर्थियों को ललित भवन के पास जब पुलिस रोकने का प्रयास किया तो प्रदर्शनकारियों में से कुछ छात्र सड़क पर ही लेट गए। इस वजह से जाम जैसी स्थिति बन गई।

इसके बाद पुलिस ने रास्ता जाम होता देख शिक्षक अभ्यर्थियों को बार-बार पीछे हटने के लिए कहा। परंतु, प्रदर्शनकारी पीछे हटने के लिए तैयार नहीं थे। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच बहसबाजी भी हुई।

ऐसे में पुलिस ने बल प्रयोग किया और रास्ता खाली कराने में जुट गई। इधर, इस संबंध में पुलिस-प्रशासन का कहना है कि प्रदर्शनकारियों को पीछे किया गया, बल प्रयोग नहीं हुआ। पटना में प्रदर्शन के दौरान शिक्षक अभ्यर्थी तख्तियों पर नारे और अपनी मांगें लिखकर लाए थे। पटना में पुलिस के लाठीचार्ज से पहले प्रदर्शन के दौरान कुछ इस तरह का था दृश्य। एक प्रदर्शनकारी दिलीप कुमार ने लाठीचार्ज के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमें आगे नहीं जाने दिया जा रहा। हम पर लाठीचार्ज की गई। यह अन्याय हो रहा है, यह लोकतंत्र की हत्या है। क्या लोकतंत्र में छात्र शांतिपूर्वक अपनी बात नहीं रख सकतें नीतीश कुमार खुद छात्र आंदोलन से उभरे हुए नेता हैं तो आज छात्र आंदोलन को क्यों कुचला जा रहा है

पाठ्यक्रमों में शामिल हो शहीद जगतपति की गौरव गाथा

औरंगाबाद शहर, एजेंसी। 1942 की अगस्त क्रांति के दौरान अंग्रेजों की गोली से पटना में बिहार विधानसभा व सचिवालय के सामने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के क्रम में अपने छह साथियों के साथ शहीद हुए जगतपति कुमार को उनके गृह जिले औरंगाबाद में श्रद्धापूर्वक याद किया गया. विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी. ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वीर जगतपति अमर रहे के नारे लगाये गये. सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने जिला मुख्यालय में स्थापित उनकी दो प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया. गौरतलब है कि आजादी की लड़ाई में औरंगाबाद जिले से अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले जगतपति कुमार एकमात्र अमर सेनानी थे, लेकिन इनके बलिदान दिवस पर राज्य सरकार या जिला प्रशासन की ओर से उनके गृह जिले में कोई भी राजकीय समारोह आयोजित नहीं किये जाने का मलाल जिलावासियों को है. ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय प्रवक्ता कमल किशोर ने कहा कि बिहार के वीर सपूत जगतपति कुमार ने हमारे तिरंगे के सम्मान के लिए अपने प्राणों की आहूति दी. उनकी शहादत को याद करना हम सब का कर्तव्य है. उन्होंने कहा कि वीर जगतपति की जीवनी तथा उनकी वीरता व शौर्य को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए. जगतपति की शहादत पूरे देश और बिहार के लिए गौरव की दास्तां है और वह लोगों में राष्ट्र प्रेम की भी भावना उत्पन्न करती है. आज जब हम राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने के लिए हर घर तिरंगा अभियान चला रहे हैं. अगर इसी क्रम में शहीद जगतपति की जीवनी को पाठ्य पुस्तकों में शामिल किया जाये, तो स्कूली विद्यार्थी अपने बिहार के इस महान सपूत के कार्यों से अवगत होंगे और उनकी स्मृति को ज्यादा स्थायी बनाया जा सकता है. पाठ्य पुस्तकों में जगतपति की शहादत की कहानी शामिल किये जाने से बच्चों में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत होगी. उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में उनकी राष्ट्रप्रेम की भावना को एक बार पुनः जगाने की जरूरत है. शहीद जगतपति का जन्म औरंगाबाद जिले के ओबरा प्रखंड के अंतर्गत खरांटी गांव के एक जमींदार परिवार में हुआ था. वह 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के समय मात्र 19 वर्ष के थे. 11 अगस्त 1942 को पटना में युवकों की एक टोली ने सचिवालय के भवन पर तिरंगा और झंडा फहराने की कोशिश की. उस वक्त जगतपति कुमार पटना में रहकर बीएन कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे. वह भी इस जुलूस में शामिल होकर उसका नेतृत्व कर रहे थे. जैसे ही देशभक्तों की टोली पटना सचिवालय के पास तिरंगा फहराने के लिए पहुंची, पटना के तत्कालीन अंग्रेज डिप्टी पुलिस कमिश्नर के आदेश पर फायरिंग कर दी गयी. इस फायरिंग में जगतपति कुमार सहित कुल सात वीर युवकों ने अपनी शहादत दी. इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अजय कुमार संतोष एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामानुज पांडेय ने कहा कि शहीद जगतपति कुमार ने देश के लिए अपना खून बहाया है तथा हर भारतीय उनका कर्जदार है. मौके पर ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के प्रदेश सचिव अजय कुमार श्रीवास्तव, महेंद्र प्रसाद, जिला महासचिव अजय कुमार वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार श्रीराम अम्बष्ट, अपर लोक अभियोजक उदय कुमार सिन्हा, राजू रंजन सिन्हा, राजेश कुमार, संजय सिन्हा, अजय श्रीवास्तव, सूर्यकांत, दीपक बलजोरी, अभय सिन्हा, सुनील सिन्हा, सुनील कुमार, मधुसूदन प्रसाद सिन्हा, प्रेम कुमार, आर्यन सिन्हा समेत सैकड़ों लोगों ने शहीद जगतपति की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

रोड का पक्कीकरण होने से ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, की नारेबाजी

डेहरी नगर, एजेंसी। प्रखंड क्षेत्र की मुख्य नहर व समानांतर के बीचोबीच जाने वाली कच्ची सड़क का पक्कीकरण नहीं होने ग्रामीणों ने भलुआरी पंचायत के घनी बिगहा गांव के समीप रविवार को सरकार व अधिकारियों के विरोध में नारे लगाये. आक्रोशित ग्रामीणों ने कहा कि लगभग 30 से 35 साल से लगभग एक दर्जन से अधिक गांवों के लोग इस कच्ची सड़क से आ जा रहे हैं, लेकिन हमारी समस्या न तो सरकार को, न तो अधिकारी को दिख रही है. सडक का पक्कीकरण नहीं होने से सड़क पर गड्ढे उभरे होने से आये दिन लोग गिरकर चोटिल हो जा रहे हैं. लोगों का आना-जाना दुश्वार हो गया है. विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण घनी बिगहा के प्रभु, विनोद सिंह, यमुना सिंह, मीठोपुर के अभिषेक कुमार, नावागढ के चंदन कुमार आदि ने बताया कि लगभग 30 से 35 साल से डेहरी हदहदवा पुल से इंद्रपुरी जाने वाली सड़क कच्ची है. हमलोगों के गांव को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क है. सड़क पक्कीकरण नहीं होने हमलोगों के गांव में कोई बीमार पड़ जाता है, तो कोई वाहन वाला अस्पताल तक ले जाने को तैयार नहीं होता है।

बिहार का सियासी पारा बढ़ाएंगे राहुल गांधी ! साल के अंत में करेंगे महारैली

प्लानिंग में जुटी प्रदेश कांग्रेस

पटना, एजेंसी। अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस बिहार में शक्ति-प्रदर्शन की मंशा रखती है। यह शक्ति-प्रदर्शन महारैली के माध्यम से हो सकता है। बहुत संभव है कि सितंबर-अक्टूबर में महारैली हो।

वर्षा ऋतु का समापन हो जाने के कारण सितंबर-अक्टूबर में न अधिक गर्मी रहेगी और न अधिक ठंड। चूंकि, एक ही महारैली होनी है, इसलिए उसके पटना के गांधी मैदान में होने की संभावना प्रबल है। आधिकारिक रूप से कांग्रेस अभी इसकी घोषणा नहीं कर रही, लेकिन अंदरखाने इसके लिए पृष्ठभूमि बनाई जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस चाहती है कि महारैली को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी संबोधित करें। उन दोनों के नाम पर ठीकठाक जन-जुटान भी हो सकता है।

प्रियंका गांधी को भी आमंत्रित किया जा सकता है। लोकसभा चुनाव में उनकी जनसभाओं की बड़ी मांग थी, लेकिन दूसरे प्रदेशों में व्यस्तता के कारण वे बिहार नहीं आ सकीं। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह महारैली का ताना-बाना बुनने में लगे हैं। चर्चा है कि इस उद्देश्य से वे पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल से यथाशीघ्र मंत्रणा करेंगे। उसके बाद राहुल आदि का कार्यक्रम निर्धारित कराया जाएगा।

विशेष राज्य के दर्जा की मांग को लेकर बिहार कांग्रेस ने आंदोलन की घोषणा कर रखी है। सोमवार को जिला मुख्यालयों पर प्रेस-वार्ता के साथ इस आंदोलन की शुरुआत हो रही। प्रेस-वार्ता में जिला प्रभारियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से होनी है। ऐसे में नए सिरे से जिला प्रभारियों का दायित्व निर्धारित करते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने उनसे आंदोलन को आगे बढ़ाने की अपेक्षा की है। 14 जिलों में नए प्रभारी बनाए गए हैं। शेष जिलों में दायित्व पूर्ववत रहेगा, लेकिन प्रभारियों को अपनी सक्रियता बढ़ानी होगी।

दोस्तों के बीच चल रही पार्टी के दौरान युवक की चाकू घोंपकर हत्या

सोनपुर, एजेंसी। सोनपुर के आनंदपुर गाछी में रविवार की देर शाम दोस्तों के बीच हुई पार्टी के बाद चाकू मारकर युवक की हुई हत्या के मामले में हरिहरनाथ पुलिस ने आरोपित में चार को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है. इस मामले में मृतक के पिता के बयान पर सोनपुर के हरिहरनाथ थाना में प्राथमिकी दर्ज की गयी है. मृतक वैशाली जिला हाजीपुर नगर थाना अंतर्गत हथसरगंज बिन टोली वार्ड संख्या 10 के साबिर महतो के लगभग 21 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार है. प्राथमिकी में मृतक के पिता ने नौ लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है. इन नौ आरोपियों में अधिकतर मृतक के दोस्त बताये गये हैं. हरिहरनाथ थाना अध्यक्ष स्वर्ण सुप्रिया ने बताया कि इस कांड में सोनपुर सवाईच के सूरज माफिया उर्फ सूरज सिंह, मीना बाजार के योगेंद्र साहनी का पुत्र रितिक कुमार, दरियापुर ढोगहा के बिट्टू कुमार तथा छोटू कुमार को गिरफ्तार किया गया है. प्राथमिकी में दोस्तों की पार्टी में बुलाकर धीरज की हत्या कर शव को ठिकाने लगाये जाने की बात कही गयी है. थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया गया है. मालूम हो कि शनिवार की शाम सोनपुर के हरिहरनाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत आनंदपुर बगीचे में कुछ युवक जुटे थे. इसी दौरान हाजीपुर नगर थाना अंतर्गत हथसरगंज बिन टोली वार्ड संख्या 10 के साबिर महतो के लगभग 21 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार की चाकू मार कर हत्या कर दी गयी थी. इसके बाद उसके शव को ठिकाने लगाने के लिए दो युवक उसे बाइक पर शव को बीच में रखकर ले जा रहे थे. इसी दौरान ग्रामीणों की नजर शव से टपकती खून पर पड़ी और लोग उसे रुकने का इशारा किया. इस दौरान भागते हुए बदमाशों के द्वारा फायरिंग किये जाने की बात भी ग्रामीणों ने बताया है. फायरिंग की आवाज सुनकर ग्रामीणों की भीड़ वहां जुट गयी और उन लोगों ने बाइक को धक्का दे दिया।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

संक्षिप्त समाचार

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम समाहरणालय परिसर में सोमवार को 150 जीविका की दीदी को नशा मुक्त बनाने हेतु शपथ ग्रहण कराया गया। उक्त के पश्चात जीविका की दीदी को जनजागरुकता अभियान हेतु समाहरणालय परिसर से बलुआ चौक तक निकाले गये प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। प्रभात फेरी के माध्यम से जीविका की दीदी द्वारा नशा मुक्ति से संबंधित नारा लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। नशा छोड़ो ,बोतल तोड़ो, घर को जोड़ो। जन-जन का यही पुकार ,नशा मुक्त हो बिहार। मद्य निषेध हितकारी है, बिटिया की बात प्यारी है। नशा मुक्ति से आई खुशहाली, दूर होगी सबकी बदहाली। गृह क्लेश और मार पिटाई, अब तो छोड़ो यह नशे की लत भाई। उक्त कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मुंशी सिंह महाविद्यालय एवं लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय एवं जिले के विद्यालयों में में छात्र - छात्राओं को शपथ ग्रहण के माध्यम से नशा मुक्त पूर्वी चम्पारण बनाने का संकल्प लिया गया। साथ ही सभी प्रखंड एवं अनुमंडल कार्यालय परिसर में नशा मुक्ति से संबंधित शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा पूर्वी चम्पारण जिले को नशा से पूर्ण रूप से मुक्त कराने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला समन्वयक- सोशल, जिला प्रबंधक, बुनियाद, जीविका प्रखण्ड सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

भारत-नेपाल बॉर्डर पर प्रतिबंधित नशीली दवा के साथ दंपत्ति गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी। भारत से नेपाल ले जाते प्रतिबंधित नशीली दवा के साथ दो दंपतियो व एक महिला को नेपाल आर्म्ड पुलिस फोर्स ने गिरफ्तार किया है।पकड़े गये दोनो दंपतियो में एक भारतीय नागरिक है,तो दूसरा नेपाली नागरिक वीरगंज पुलिस के अनुसार उक्त दंपति रक्सौल से प्रतिबंधित दवा की खेप लेकर नेपाल में प्रवेश कर रहे थे। इसी बीच शंकराचार्य गेट के समीप उन्हे जांच के दौरान पकड़ लिया गया।पकड़े गए दंपती की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के सकराहा निवासी धुरेन्द्र राम और उसकी पत्नी मधु देवी के रूप में हुई है। इनके पास से 4505 पीस ट्राहमा 50 नामक प्रतिबंधित दवा बरामद की गई है।वही दूसरी ओर इनरवा चौकी के पास प्रतिबंधित नशीली दवा के साथ एक नेपाली दंपति और एक अन्य महिला को नेपाल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों रक्सौल से बीरगंज नशीली दवा लेकर जा रहे थे। इनके पास से 294 पीस नाइट्रो वेट 10 बरामद किया गया है। इनकी पहचान नेपाल के बारा जिला के कोल्हवी निवासी अनिल पौडेल व प्रेरणा पौडेल के रूप में हुई है।नेपाल पुलिस प्रतिबंधित दवा को जप्त कर अग्रेतर कारवाई में जुटी है।

पहाड़पुर में अपराधियो ने दिनदहाड़े वार्ड सदस्य पति की गोली मार कर की हत्या

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के अरेराज-बेतिया मुख्य मार्ग स्थित नरकटिया कब्रिस्तान के समीप सोमवार को दिन-दहाड़े अज्ञात अपराधियों ने वार्ड सदस्य पति को गोली मारकर फरार हो गये। आसपास के लोगो ने खून से लथपथ वार्ड सदस्य पति को पश्चिमी चम्पारण के जगदीशपुर स्थित एक निजी अस्पताल ले गये,जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि मृतक पहाड़पुर प्रखंड के नौवाडिह पंचायत के वार्ड संख्या 7 के वार्ड सदस्या उषा खातून के पति इशरोज अंसारी अपने घर से नरकटिया चौक पर दाढ़ी बनवाने गये थे और वही से वापस अपने घर आ रहे थे,तभी नरकटिया चौक के समीप अपराधियो ने गोली मार कर फरार हो गये। घटना का कारण अभी स्पष्ट नही हो सका है। खबर लिखे जाने तक पहाड़पुर पुलिस शव को पोस्टमार्टम मे भेजने प्रक्रिया कर रही थी। जैसे ही घटना की सूचना मिली मृतक के गांव में मातम पसर गया। परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल हैं।

जन सुराज के प्रखण्ड कार्यवाहक समिति का गठन, जमशेद बने अध्यक्ष

बीएनएम। केसरिया। जन सुराज को और सशक्त व मजबूत बनाने को लेकर सोमवार को केसरिया प्रखण्ड कार्यवाहक समिति व प्रखण्ड अभियान समिति का गठन किया गया है। साथ हीं इस नवगठित समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों की सूची जारी की गई है। इस आशय को लेकर जन सुराज द्वारा पत्र जारी किया गया है। जिसके अनुसार जमशेद खान को कार्यवाहक समिति का अध्यक्ष व उत्तम कुमार गुप्ता को संगठन महासचिव बनाया गया है। वहीं ललिता देवी को महिला अध्यक्ष, विनोद प्रसाद कुशवाहा को किसान अध्यक्ष, सुमित सिंह को युवा अध्यक्ष, उदमेश कुमार को सोशल मीडिया प्रभारी व मनीष सिंह को कार्यालय प्रभारी बनाया गया है। सभी नव पदधारी स्थायी चुनाव होने तक अपने पद पर कार्यरत रहेंगे। प्रखण्ड अभियान समिति में सचिन कुँवर को संयोजक की जिम्मेवारी सौंपी गई है। वहीं मनान आलम, कुणाल सिंह, रामायोध्या यादव व निहाल रंजन को इस समिति का सदस्य बनाया गया है।

वाल्मीकिनगर के तमसा नदी में फंसे 69 श्रद्धालुओं को एसएसबी और एपीएफ ने सुरक्षित निकाला

बीएनएमः बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित भारत-नेपाल सीमा पर 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कार्यक्षेत्र एफ समवाय वाल्मीकि आश्रम के कार्मिकों और एपीएफ नेपाल के कर्मियों ने वाल्मीकि आश्रम (नेपाल) में दर्शन करने आए लगभग 69 श्रद्धालुओं को तमसा नदी के तेज धार में बहने से सकुशल बचाते हुए पार कराया। बताया गया है कि सोमवार की सुबह लगभग पांच बजे 69 श्रद्धालु भारत से वाल्मीकि आश्रम (नेपाल) दर्शन करने गये थे। वापसी में तमसा नदी में तेज बहाव के साथ पानी के स्तर में वृद्धि होने लगा, जिससे कुछ श्रद्धालु नदी में फंस गए और चीख-पुकार करने लगे। एफ समवाए के समवाय प्रभारी को और एपीएफ नेपाल के पोस्ट कमांडर को इसकी सूचना मिली। दोनों प्रभारियों ने तत्परता दिखाते हुए अपने-अपने कर्मियों के साथ नदी के पास पहुंचे और मानव श्रृंखला बनाकर 31 पुरुषों, 29 महिलाओं और 09 बच्चों को सकुशल तमसा नदी से बाहर निकाला। इसके उपरांत सभी श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य को प्रस्थान किए।

पंचायत भवन में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

- आकांक्षी प्रखंड योजना की छः सूचकांको, पंचायत के सर्वांगीण विकास पर चर्चा
- 130 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गईं

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के कल्याणपुर प्रखंड में कोयला बेलवा में स्वास्थ्य विभाग और पिरामल फाउंडेशन के सहयोग से ग्राम सभा की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पंचायत के सर्वांगीण विकास हेतु आकांक्षी प्रखंड योजना की जानकारी के साथ प्रखंड में चल रहे संपूर्णता अभियान एवं उसके छः सूचकांको की भी चर्चा की गई। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा पंचायत भवन पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें पंचायत के 130 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गईं। स्वास्थ्य कर्मियों की टीम द्वारा 30 वर्ष से अधिक उम्र के 90 लोगों को स्वस्थ दिनचर्या की सीख देते हुए ब्लड प्रेशर, शुगर आदि जांच की गईं और दवाओ का निःशुल्क वितरण किया गया। मुखिया ईलाईची देवी ने पंचायत के सभी वार्ड सदस्य और कर्मीयों आकांक्षी प्रखंड योजना की एवं उसके छः सूचकांको की भी चर्चा की। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से कहा कि पंचायत का सर्वांगीण विकास ही उनका एकमात्र उद्देश्य है। सतत विकास के निगरानी और संचालन के लिए ग्राम पंचायत फैसिलिटेशन टीम का गठन किया गया और इसकी हर महीने बैठक करने का निर्णय लिया गया।

प्रधानमंत्री का विजन इस आकांक्षी जिला को ले कर हैः पिरामल जिला प्रतिनिधि मुकेश कुमार ने कहा की प्रधानमंत्री का विजन इस आकांक्षी जिला को ले कर है। प्रधानमंत्री द्वारा जनवरी 2018 में आकांक्षी जिला कार्यक्रम को शुरू किया गया था। नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर करने और सभी के लिए समावेशी विकास 'सबका साथ, सबका विकास' सुनिश्चित करने के लिए सरकार के प्रयास के तहत इसकी शुरुआत हुई थी।इस बैठक में पिरामल फाउंडेशन के मुकेश कुमार, राणा फ़िरदौस, अरविंद कुमार, एलिशा, वार्ड सदस्य कृष्ण कन्हैया, हरेंद्र बैठा, गोविन्दा, आशा फैसिलिटेटर रीमा देवी, नयाय मित्र अशोक कुमार पाठक, पंचायत की सभी आशा, सेविका, जीविका प्रतिनिधि और ग्रामवासी मौजूद थे।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम की सफलता हेतु एमजीसीयूबी और जिला प्रशासन की बैठक आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में 13 अगस्त, 2024 को आयोजित होने वाले दीक्षारम्भ कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने हेतु महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में विश्वविद्यालय के अधिकारियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। ज्ञातव्य हो की इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर होंगे। एमजीसीयू के चीफ प्रॉक्टर प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने सर्वप्रथम बैठक में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं अधिकारियों को कार्यक्रम की मिनट-टू-मिनट जानकारी दी। उन्होंने उपस्थितजनों को अनुशासन बनाए रखने के महत्व पर बल दिया और सभी को अनुशासन का पालन करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्री कांतेश मिश्रा ने स्पष्ट किया कि निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार किसी भी प्रकार की चूक होने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विश्वविद्यालय और प्रशासन के बीच संचार में किसी भी प्रकार की गलतफहमी से बचने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी और किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि कार्यक्रम के दौरान प्रथम चिकित्सा सुविधा, एंबुलेंस, और अग्निशमन दल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री सौरभ जोरवाल ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान सभी लोग अपने निर्धारित पास साथ रहेंगे और मंच के निकट के लोगों के लिए भी पास रखनी होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यक्रम की पूर्णतया पूर्वाभ्यास की जाएगी, जिससे कोई भी छोटी से छोटी चूक न हो जाए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछली बार का कार्यक्रम मोतिहारी के लिए गौरव का विषय बना था और इस बार का कार्यक्रम भी बेहतर होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कार्यक्रम में संलग्न लोगों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरी मेहनत, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय और मोतिहारी के लिए गर्व का विषय है। इस बैठक में कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बृजेश पाण्डेय सहित एमजीसीयूबी के अधिकारी एवं विभिन्न समितियों के समन्वयक, शिक्षकगण, जिला प्रशासन के अधिकारी एवं पदाधिकारी गण, पुलिस बल के अधिकारी एवं नौजवान एवं वॉलेंटियर्स उपस्थित थे।

पेड़ पौधों के बिना मानव जीवन की नहीं की जा सकती है कल्पनाः प्राचार्य

एक पेड़ से कई समस्याओं का समाधान है संभव

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में राज्यपाल सह कुलाधिपति के निर्देशानुसार सोमवार को व्यापक पैमाने पर महाविद्यालय के खाली भूमि पर पौधारोपण किया गया। एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेट्स और अन्य छात्र-छात्राओं के द्वारा महाविद्यालय परिसर में खेल मैदान के चारो तरफ पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि पेड़ पौधों के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। एक पेड़ से कई समस्याओं का समाधान संभव है। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. अरविंद कुमार ने कहा कि हरियाली बढ़ने से ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की समस्या को कम किया जा सकता है। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी कैडेट्स और छात्र-छात्राओं ने अपनी मां को याद करते हुए कटहल, जामुन, अर्जुन, अमरूद, सागवान, शरीफा आदि प्रजाति के पौधों को रोपित किया। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन ने भी कई पौधे लगाए। इस अवसर पर अभिषेक, शुभांगी, मनोज, श्रेयांशु, शैलेंद्र, रजनीश, साहिल,सानिया , सुचिता, संध्या, गुड़िया, रुचिका, शिवांगी, अंजली, चंदन, वैष्णो, हर्षला, ऋतिक आदि की सहभागिता रही।

बहुचर्चित एयरफोर्स अधिकारी आलोक तिवारी हत्याकांड मामले में इंदल मुखिया गिरफ्तार

- मामले में पिता पुत्र दोनों है नामजद
- सात नामजद में पांच पहले से है न्यायिक हिरासत में
- 7 जनवरी 2022 को हुई थी हत्या

बीएनएम। मोतिहारीः राकेश कुमार

बहुचर्चित एयर फोर्स अधिकारी हत्याकांड में संग्रामपुर पुलिस ने सोमवार को अहले सुबह एक और अभियुक्त को मोतिहारी शहर से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी दक्षिणी मधुबनी पंचायत स्थित कोइरगंवा बिंदटोली गांव के इंदल मुखिया बताया गया हैं। सनद रहे कि जिले के संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र के पश्चिमी मधुबनी पंचायत स्थित दरियापुर तिवारी टोला निवासी एयर फोर्स अधिकारी आदित्य कुमार उर्फ आलोक तिवारी की वर्ष 2022 में सात जनवरी की देर संध्या में पूर्व से घात लगाए शराब माफियाओं ने सीने में खंती से वार कर हत्या कर दी थी। मामले में मृतक के पिता चन्देश्वर तिवारी ने ब्रजेश मुखिया, इंदल मुखिया, चन्देश्वर मुखिया, मुन्ना मुखिया, शम्भू मुखिया, उपेंद्र मुखिया व सबी मुखिया समेत 20- 25 अज्ञात लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इंदल मुखिया व उपेंद्र मुखिया फरार चल रहे थे। जिसमे एक इंदल

मुखिया को पुलिस ने ढाई वर्ष बाद गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

तीन अभियुक्तों को हो चुकी है उम्रकैद की सजा- बता दें कि मोतिहारी सिविल कोर्ट में विगत माह 11 जुलाई को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश- 22 रेशमा वर्मा ने शम्भू मुखिया, चंदेश्वर मुखिया, मुन्ना मुखिया को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सोमवार को कल्याणपुर प्रखंड के अलगबनी गांव में सना और पूनम किशोरी समूह के साथ बैठक की गई। इस बैठक में बच्चों के बीच स्वच्छता साफ-सफाई के लिए हाथ धुलाई का प्रेक्टिस कराया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग, यूनिसेफ के सहयोग से बाल रक्षा भारत से द चिल्ड्रेन द्वारा संचालित उड़ान परियोजना के जिला समन्वयक हामिद रजा ने कहा कि मानव के जीवन में साफ सफाई की बहुत अहमियत है। अगर लोग स्वच्छ रहेंगे, साफ सुथरा रहेंगे तो स्वास्थ्य रहेंगे अब जो स्वास्थ्य रहेंगे तभी हमारा विकास होगा। श्री रज्जा ने कहा कि उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाए। शक्ति जीवन है, निर्बलता मृत्यु है- विस्तार जीवन है, संकुचन मृत्यु है- प्रेम जीवन है, द्वेष मृत्यु है। जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भागवान पे विश्वास नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि किसी भी देश के विकास में युवाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन विकसित और विकासशील दोनों देशों में, युवाओं को मानसिक और सामाजिक जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए, युवाओं को इन चुनौतियों के बारे में जागरूक करने, देश के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर उनकी भागीदारी बढ़ाने और उनकी क्षमता का सम्मान करने के लिए हर साल 12 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। इसे पहली बार 2000 ई में संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया गया था। इस दिन का उद्देश्य युवाओं को समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना और उनके सामने आने वाली चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस अवसर पर उड़ान परियोजना के प्रखंड समन्वयक जितेंद्र कुमार सिंह ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के संदर्भ में अपने विचार रखी। इस अवसर पर विकास मित्र प्रियंका कुमारी, आंगनवाड़ी सेविका शाहिदा खातून,वार्ड सदस्य सुनील कुमार, यूथ नेहा कुमारी, करिश्मा कुमारी, रुबी कुमारी, मोनिता कुमारी, काजल कुमारी, शिवानी कुमारी, खुशी कुमारी, सुनंदा कुमारी, सलोनी कुमारी, कविता कुमारी, सना प्रवीण, शाहिना खातून, गुलफ्शां खातून, शैदा खातून ,फिजा खातून, खुशी खातून, नसरीन खातून, अंजलि खातून, जीनत खातून, सुबी खातून, नगमा खातून, गौसिया खातून ,सादिया सुल्तान, गौसिया फिरदौस,तारा खातून, सादिया सुल्ताना, अहसना खातून, मुन्नी खातून सहित बड़ी संख्या में युवा और युवती मौजूद थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सावन की बूंद-बूंद फुहारों के बीच लगभग तीन लाख श्रद्धालुओं ने बाबा सोमेश्वरनाथ का किया जलाभिषेक

• तीन किलोमीटर लगी लंबी लाइन

बीएनएमः अरेराज

सावन की बूंद-बूंद फुहार और एक तरफ श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखकर मानों ऐसा लग रहा था जैसे सोमेश्वरनाथ महादेव की नगरी में स्वयं भगवान शिव और मां गंगा प्रकट हो चुके हैं। सावन माह के चौथे सोमवारी को जलाभिषेक के लिए रविवार की देर शाम से ही शिवभक्त श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया। मध्य रात्रि से ही मंदिर प्रांगण और पूरा मेला क्षेत्र बोल बम, हर हर महादेव, जयशिव जयशिव व हर-हर बम-बम के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। चौथे सोमवारी को सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर में देर शाम तक करीब तीन लाख श्रद्धालु शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया। सुबह से ही अनुमंडल प्रशासन, मंदिर प्रबंधन, एनसीसी के कैडेट व सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धालु शिवभक्तों की सुख- सुविधा को लेकर तत्पर थे।

वहीं चौथे सोमवारी को मध्य रात्रि महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि प्रधान पुजारी प्रमोद पांडेय, आचार्य चंदन तिवारी द्वारा षोडशोपचार विधि से पूजन कर प्रशासनिक अधिकारियों की देख रेख में अहले सुबह 2:00 बजे मंदिर का मुख्य पट खोल दिया गया। ऐसा लग रहा था जैसे समूचा शिव नगरी भगवान भोलेनाथ के नारों व गीतों से गुंजित हो उठा। मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया। महिला व पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग अलग अर्घा लगाया था। शिवभक्तों की लंबी कतार तड़के सुबह बरवां हनुमान मंदिर तक पहुंच गयी थी। श्रावणी मेला में इन शिवभक्तों की गूंज से रूट लाइन गुंजायमान था। सभी श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा सोमेश्वरनाथ का जयघोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे। वहीं रुटलाइन में रात्रि से ही श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी लगातार एसडीएम अरुण कुमार, एसडीपीओ रंजन कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार गुप्ता, बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित, सीओ उदय प्रताप सिंह, अरेराज थानाध्यक्ष विभा कुमारी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा की जा रही थी। चौथे सोमवार व शिवभक्तों की भीड़ को देखते हुए रविवार रात करीब बारह बजे से ही महिला व पुरुष श्रद्धालु रूट लाइन में बैठकर मंदिर के पट खुलने का इंतजार करते रहे। करीब दिन दो बजे मध्य रात्रि प्रथम पूजन के बाद बाबा का पट खुलते ही कतार आगे बढ़ने लगी। श्रद्धालुओं ने हाथ में जलपात्र लिये बोल बम के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। सुबह 10 बजे राग भोग के लिए आधे घंटे का विराम कराया गया। विराम के बाद पुनः श्रद्धालुओं के जलार्पण हेतु पट खोल दिया गया। उसके बाद अचानक श्रद्धालु शिवभक्तों की भीड़ अप्रत्याशित बढ़ने लगी। जो देर शाम तक चलता रहा। जलाभिषेक के लिए महिला व पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग अलग थी अर्घा की व्यवस्था थी। गर्भगृह के दोनों दरवाजे के पास लगे अर्घा के माध्यम से जलार्पण कराया जा गया। डीजे की कई तरह के भोजपुरी शिवधुनों पर नाचते गाते हजारों की संख्या में ट्रैक्टर पर सवार व पैदल महिला पुरुष व बच्चे गंडक सहित विभिन्न नदियों के जल लेकर शिवनगरी में जलाभिषेक के लिए प्रवेश कर रहे थे जो देर शाम तक चलता रहा। रविवार की मध्य रात से ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त कतारबद्ध हो गये थे। श्रद्धालुओ के कतार में ऊपर शेड, पंखा, कतार में खड़े भक्त के दर्शन के लिए लाइव दर्शन की व्यवस्था किया गया था। वही नियंत्रण कक्ष में खोया पाया कक्ष, मेडिकल यूनिट, एम्बुलेंस सहित व्यवस्था किया गया था। मेला क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था व श्रद्धालुओ की भीड़ को देखते हुए डेढ़ दर्जन स्थान पर नियंत्रण कक्ष, फिक्स व ड्राप गेट बनाये गए थे। नियंत्रण कक्ष में उपस्थित दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी शहर में वाहन प्रवेश पर रोक के साथ साथ श्रद्धालुओ के मदद करते देखे गए। तीन लेयर में सुरक्षा व्यवस्था के अलावा सादे लिबास में भी पुलिस पदाधिकारी पड़ाव स्थलों पर गस्त करते नजर आए।नियंत्रण कक्ष में अनुमंडलीय अस्पताल उपाधीक्षक कर्नल डॉ उज्ज्वल प्रताप के निर्देश में स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तरह मुस्तैद थी। अनुमंडल प्रशासन व मंदिर प्रबंधन को अनुमान है कि सोमवार की देर शाम तक बाबा सोमेश्वरनाथ महादेव का लगभग डेढ़ लाख लीटर जल से तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा सोमेश्वरनाथ महादेव का जलाभिषेक किया।

अरेराज को जोड़ने वाली सभी सड़कों पर भीषण जाम- सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर समेत अरेराज को जोड़ने वाली सभी सड़कों पर दिनभर भीषण जाम की स्थिति बनी रही। अरेराज-खजुरिया को जोड़ने वाली स्टेट हाईवे पर सुजायतपुर तक एक किलोमीटर लंबा जाम लगा रहा। दिनभर सभी गाड़ियां रेंगती नजर आई। जाम हटाने में पुलिस प्रशासन के पसीने छूट गए लेकिन जाम की स्थिति जस की तस बनी रही। वही अरेराज-मोतिहारी मुख्यमार्ग पर पेट्रोल पंप के आगे तक तो अरेराज-बेतिया मार्ग पर लौरिया तक जाम की स्थिति रही। जाम को हटाने में प्रशासन पूरी तरह विफल साबित हुआ।

सुप्रसिद्ध केशरनाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

बीएनएमः केसरिया। श्रावण मास के चौथे सोमवार को उत्तर बिहार के सुप्रसिद्ध केशरनाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान करीब 50 हजार से अधिक शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया। इसको लेकर अहले सुबह से हीं शिवभक्त गंडक नदी से जलबोझी कर मंदिर पहुँचने लगे। जहाँ जलाभिषेक कर सुख समृद्धि की कामना की। विधि-व्यवस्था को लेकर मंदिर परिसर से लेकर मुख्य सड़क मार्ग तक पुलिस बल की तैनाती की गई थी। थानाध्यक्ष उदय कुमार के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन मुस्तैद रही

एनसीसी कैडेट्स कर रहे भक्तों की सेवा व सुरक्षा, कर्नल प्रदीप कुमार व अन्य अधिकारी कर रहे निगरानी

बीएनएमः अरेराज

सावन के चतुर्थ सोमवारी को बाबा सोमेश्वरनाथ मन्दिर में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए महंत शिवशंकर गिरि महाविद्यालय के 3/25 कम्पनी के दो पाली में 40 एनसीसी कैडेट्स श्रद्धालुओं की व्यवस्था में लगे हुए हैं। ये कैडेट्स धार्मिक भेदभाव से ऊपर उठकर निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा का अनौखा उदाहरण पेश कर रहे हैं। यू.ओ. मो. हुसैन आलम, अमीषा कुमारी और यू.ओ. गुड़िया कुमारी के नेतृत्व में एनसीसी के ये कैडेट्स श्रावणी मेले में बाबा सोमेश्वरनाथ परिसर में भक्तों की असुविधा दूर करने में प्रयासरत हैं। इस चतुर्थ सोमवारी को 25 बिहार बटालियन के समादेशी पदाधिकारी कर्नल प्रदीप कुमार सिंह (सेना मेडल प्राप्त) ने अपने परिवार के साथ बाबा सोमेश्वरनाथ महादेव के दर्शन और पूजन किया साथ ही एनसीसी कैडेट्स की ड्यूटी का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी एनसीसी कैडेट्स की सक्रियता और कर्मठता की तारीफ़ की। उनके साथ एमएसएसजी कॉलेज अरेराज के एनसीसी सीटीओ डॉ. धीरेन्द्र कुमार साथ रहे। उन्होंने मंदिर में एनसीसी कैडेट्स की विधि व्यवस्था की जानकारी दी। समादेसी पदाधिकारी प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि हमारे कैडेट्स बिना किसी मानदेय के बाबा सोमेश्वरनाथ मंदिर में निश्वार्थ सेवाभाव से ड्यूटी कर रहे हैं। ऐसी सक्रियता और कर्मठता एनसीसी कैडेट्स में ही हो सकती है।

ऐतिहासिक पंचमुखी युग्म शिवलिंग का हजारों शिवभक्तों ने किया जलाभिषेक

4 मार्च 1816 को इसी स्थान पर अंग्रेजों और नेपाल राष्ट्र के बीच हुआ था संधि

बीएनएमः सुगौली

सावन के चौथे सोमवार को हजारों की संख्या में शिवभक्तों ने नगर पंचायत स्थित प्राचीन पंचमुखी शिवलिंग का जलाभिषेक किया। रविवार की आधी रात से ही चंपारण सहित,नेपाल से कांवरियों का जत्था नगर पंचायत के विभिन्न सड़कों से हर हर महादेव और बोल बम के जयकारे के साथ बेतिया राज द्वारा स्थापित अपने तरह के अनुठे शिवलिंग का जलाभिषेक करने मंदिर परिसर में पहुंचने लगे। कांवरियों के आने जाने वाली सड़कों पर स्थानीय पुलिस ने सुरक्षा के मुकंमल इंतजाम किए थे।सड़क के किनारे कांवरियों और शिवभक्तों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सामाजिक संगठनों तथा समाज सेवियों ने तंबू,कनात के शुद्ध पेयजल आपूर्ति तथा जरुरत की चीजों के आपूर्ति की व्यवस्था कर रखा था। गौरतलब है कि नेपाल की राजधानी काठमांडू के बाद ये पहला शिवलिंग है जो शिवलिंग के रुप में न होकर पांच मुखों वाला जोड़ा शिवलिंग भगवान शिव का साकार रूप है। ऐतिहासिक तथ्यों की बात करें तो ब्रिटिश कालीन भारत में पड़ोसी देश नेपाल के साथ इसी शिवालय के पास 4 मार्च 1816को एक संधि हुई थी जिसे इतिहास में सुगौली संधि के रुप में विख्यात है।शिवालय परिसर के आसपास बेतिया राज द्वारा स्थापित प्राचीन संरचनाएं हैं। जिनमें रानी का स्नानागार,राजा रानी के विश्राम के लिए कक्ष और सैनिकों के रहने ठहरने के लिए पक्की संरचनाओं को बनाया गया है। हालांकि समय के साथ साथ इन ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति उदासीनता के कारण ये संरक्षित करने वाली ऐतिहासिक धरोहर अब खंडहर में बदल चुके हैं। लेकिन स्थानीय लोगों के अथक परिश्रम व सहयोग से सुगौली संधि का गवाह रहे प्राचीन पंचमुखी युग्म शिवालय और शिवालय में स्थित प्राचीन पंचमुखी युग्म शिव के साकार रुप का शिवलिंग अभी भी स्थानीय लोगों सहित नेपाल और बिहार के आसपास के राज्यों के शिवभक्तों के आस्था और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

गंडक नदी में स्नान के दौरान गिरने से बोल बम कांवरिया की मौत

बीएनएमः बगहा। सावन के चौथे सोमवारी को महाकॉलेश्वर और जटाशंकर मंदिर में जल चढ़ाने के लिए अपने पूरे परिवार के साथ रामनगर नारायणापुर यादव टोला से आए मुन्ना यादव (46) की मौत हो गयी। मुन्ना यादव कॉलेश्वर मंदिर के निकट सोनहा घाट पर स्नान करने के क्रम में पैर फिसलने से गिर गये। इसके बाद उन्हें आनन- फानन में वाल्मीकि नगर स्थित टंकी बाजार के एक निजी क्लीनिक में इलाज के लिए ले जाया जा रहा था। इस बीच रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। क्लीनिक पहुंचने पर डॉक्टर राजू प्रसाद ने जांच के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया गया, जिससे परिजन में मातम छा गया है।

मेला में हंगामा करते तीन पियक्कड़ गिरफ्तार

बीएनएमः केसरिया। पुलिस ने थाना क्षेत्र के नयागांव पनशाला चौक से रविवार की देर संध्या तीन युवकों को नशे की हालत में गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि रविवार को नयागांव पनशाला चौक पर महावीरी झंडा मेला का आयोजन किया गया था। इसी मेला में कुशहर गाँव सावन कुमार, मुन्ना कुमार व बलेन्द्र यादव नशे की हालत में हंगामा कर रहे थे। जिसकी सूचना पुलिस को मिली। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों युवकों को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार तीनों युवकों को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग द्वारा बेतिया डीएम को पत्र लिखकर प्रेस क्लब भवन मे चल रहें बंदोबस्त कार्यालय को खली कराने की मांग

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण जिला मुख्यालय बेतिया मे स्थित प्रेस क्लब (प्रेस क्लब ऑफ बेतिया) का नवनिर्मित भवन को भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के द्वारा वर्ष 2014 से लगातर मांग के बाद जब बन कर तैयार हो गया तो वर्ष 2019 मे लगातार मांग कर्ता भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ के महामंत्री सह प्रेस क्लब के अध्यक्ष पत्रकार डॉ अमानुल हक़ को ना सुपूर्द कर बदोबस्त कार्यालय को कुछ समय के लिए देदिया गया। तब से अब तक इस भवन में बंदोबस्त कार्यालय ही चल रहा है। जनकारी के अनुसार इस भवन को खाली कराने के लिए पत्रकार अमानुल हक़ ने अपनी लड़ाई जारी रखी और महामहिम राज्यपाल के हस्तक्षेप से विभागीय कार्रवाई शुरू हुई और इसी बीच पश्चिम चंपारण जिला पदाधिकारी को अलग अलग कई पत्र पटना से आया खली करने हेतु आया लेकिन सिर्फ जिला प्रशासन द्वारा संतावना ही मिला। उल्लेखनीय है कि इतने पहल के बाद आज बिहार सरकार सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, पटना के पत्रांकः 1507 सू०ज०स०वि०,दिनांक 24/07/24 प्रेषक - अमित कुमार, भाप्रसे. निदेशक सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार, पटना ने पत्र लिखकर पश्चिम चंपारण जिला पदाधिकारी, बेतिया से कहा है कि प्रेस क्लब खाली कराने हेतु। इस मे आगे लिखा है कि प्रसंग आपका पत्रांक-56 दिनांक 29.01.2024 उपर्युक्त विषय के संबंध में प्रासगिक पत्र के द्वारा सूचित किया गया था कि नवनिर्मित प्रेस क्लब भवन बेतिया में अभी बंदोबस्ती कार्यालय कार्य कर रहा है। जिसके खाली करने के बाद भवन प्रमंडल बेतिया के द्वारा भवन के मरम्मति के उपरांत भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ को सुपुर्द करने की दिशा में नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी। इस पत्र में आगे कहा है कि उपरोक्त के दृष्टिगत अनुरोध है कि नवनिर्मित प्रेस क्लब भवन, बेतिया को शीघ्र खाली कराकर अवगत कराने की कृपा की जाय।विश्वासजन (अमित कुमार) निदेशक। दूसरी तरफ पत्रकार अमानुल हक़ ने इस पत्र पर खुशी जताई है और पत्रकारों को बताया कि इस बिंदू पर अब जिला प्रशासन को ही पहल कर प्रेस क्लब ऑफ बेतिया का नवनिर्मित भवन को खली कराना है। आगे कहा है कि डिस्ट्रिक मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार राय से इस विषय पर जब मिला तो उन्होंने ने कहा कि जल्द ही खली करा दूंगा और भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ को भी सुपूर्द कर दूंगा। जबकि डिस्ट्रिक मजिस्ट्रेट अगर चाहले तो एक दिन में खली हो सकता है।

पंचायत समिति की बैठक में पुलिस के मनमानी व दाखिल खारिज में रिश्वत लेने का मामला छाया रहा

बीएनएम। तुरकौलिया

पंचायत समिति की बैठक प्रखंड परिसर स्थित सभागार भवन में प्रखंड प्रमुख विभा यादव की अध्यक्षता में सोमवार को हुई। जहां पूर्व की बैठक की समीक्षा करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू की गई। जहां सदन के अंदर वेलवाराय पंचायत के पंचायत समिति सदस्य ईद मुहम्मद देवान ने आवाज उठाते हुए कहा कि प्रखंड कार्यालय भवन में अवैध रूप से कब्जा करके टास्फार्पा का कार्यालय खोला गया है। इसे तुरंत खाली कराकर प्रमुख व उप प्रमुख कार्यालय को खोला जाए। ताकि सभी पंचायतों के पंचायत समिति सदस्यों की बैठने की व्यवस्था हो सके। साथ ही अलग-अलग पंचायतों से अपने जनप्रतिनिधियों से मिलने आए लोगों को भी बैठने की जगह मिल सके। पंसस ईद मुहम्मद ने सदन को यह भी बताया कि प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी का नियुक्ति तुरकौलिया प्रखंड में तो हुआ है। लेकिन वह कार्यालय नही आते हैं। वह कार्यालय कब आते हैं और कब जाते हैं। इसकी खबर किसी को नही रहती है। सदन को अवगत कराया जाए कि एक सप्ताह में कितने दिन और कब कब कार्यालय आएगें। ताकि जनता को अपनी समस्या लेकर इनके कार्यालय का चक्कर नही लगाना पड़े। एमओ के मनमानी से आमजनता तंग हो चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि तुरकौलिया थाना में पदस्थापित दरोगा सुधीर कुमार का जनप्रतिनिधियों के साथ व्यवहार अच्छा नही रहता है। किसी भी काम के नाम पर लोगों से पैसे का मांग करते हैं। वह लेनदेन करने में माहिर है। रिश्वत नही देने पर जेल भेजने की धमकी भी देते है। यहां तक कि अंचल से मिला हुआ सरकारी जमीन पर भी 144 कर देते है। सदन को अवगत कराना चाहता हूं कि क्या सरकारी जमीन पर पुलिस पदाधिकारी को 144 करने का अधिकार प्राप्त है या नहीं। इनके खिलाफ निंदनीय प्रस्ताव लेकर जिला पुलिस अधीक्षक को भेजा जाए। वही तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत के पंस सदस्य अमेरिका हाजरा ने सदन को बताया कि प्रखंड परिसर में मनरेगा योजना से जीविका भवन का निर्माण हो रहा है। यह योजना पंचायत समिति के वार्षिक कार्य योजना से प्रस्तावित था। जबकि मुखिया के योजना कोड से मनरेगा द्वारा इसका भुगतान किया जा रहा है। जो विवाद का विषय बना हुआ है। साथ ही नियम के विरुद्ध भी है। इस मामले का शीघ्र हल होना चाहिए। मथुरापुर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य अशोक यादव ने सदन में मनरेगा पीओ जितेन्द्र कुमार के मनमानी के विरुद्ध आवाज उठाते हुए कहा कि पंचायत समिति से लिया गया कोई भी योजना का स्टीमेट देरी से बनाते हैं। साथ ही एमबी में भारी कटौती करते रहते हैं। मनरेगा पीओ ऐसा क्यू करते हैं। सदन को इस बात से अवगत कराए। तुरकौलिया मध्य पंचायत के मुखिया सुनील टाइगर ने जोरदार तरीके से आवाज बुलंद करते हुए सदन में कहा कि अंचल कार्यालय में दाखिल खारिज के नाम में अवैध पैसे की वसूली की जाती है। परिमार्जन के लिए ग्रामीण अंचल का महीनों चक्कर लगाते है। सीओ और कर्मचारी को इससे कोई लेना-देना नही रहता है। सभी कर्मचारी अपने अपने आधीन एक एक निजि अटर्नी रखें हैं। जो लोगों से पैसे का वसूली करता है। यह प्रथा समाप्त होनी चाहिए। साथ ही रिश्वतखोरी पर अविलंब विराम लगनी चाहिए। इस मामले में तुरंत कदम नही उठाया जाएगा तो सभी जनप्रतिनिधि मिलकर इसके विरुद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।मौके पर उप प्रमुख साहिदा बेगम, बीडीओ प्रियंका कुमारी, सीएचसी प्रभारी अर्जुन कुमार, पीओ जितेन्द्र कुमार, पूर्व प्रमुख उमंग देवी, पंचायत समिति सदस्य ईद महम्मद देवान, प्रीति कुमारी, नीति देवी, गुड़िया देवी, अशोक यादव, राजकिशोर सिंह, रजनीश राय, अशरफी महतो, अनिल पासवान, शहजाद अंसारी, सोनी देवी, अमेरिका हाजरा, चंदेश्वर पासवान, मुखिया सुनील टाइगर, विनोद सिंह, विनय कुमार, रामजन्म पासवान, बबिता देवी, प्रेरणा कुमारी आदि मौजूद थे।

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ हैः जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है। जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं।

अंगदान बीमार या मरते को नयी मुस्कान देने का पुण्य

विश्व अंगदान दिवस प्रतिवर्ष 13 अगस्त को मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में अंगदान के महत्व को समझने के साथ ही अंगदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करने के लिये सरकारी संगठनों, सार्वजनिक संस्थानों और दूसरे व्यवसायों से संबंधित लोगों द्वारा हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है ताकि अंगदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और लोगों को अंगदान से जुड़ी गलतफहमियों से अवगत कराया जा सके। इस दिवस का एकमात्र उद्देश्य मुख्य रूप से लोगों को मृत्यु के बाद अंगदान के महत्व के बारे में प्रोत्साहित करना और शिक्षित करना है ताकि अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके, जरूरतमंदों की जीवन मुस्कान लौटायी जा सके। गुर्दे, हृदय, अग्न्याशय, आंखें और फेफड़े जैसे अंग दान से पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों की जान बचाई जा सकती है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर के अंग ही क्यों न हो। इस दृष्टि से अंगदान एक महान् दान है, जो हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। अंग दान-दाता कोई भी हो सकता है, जिसका अंग किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये अंग से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है। वर्ष 2024 की इस दिवस की थीम है 'आज किसी की मुस्कान का कारण बनें!'

'अंगदान दिवस' पूरे विश्व एवं भारत में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह अंगदान कर सकता है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में अंगदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर अंगदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह अंगदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा प्रदान करती है। अंगदान ऐसी प्रक्रिया है जिसमें किसी जीवित या मृत, दोनों तरह के व्यक्तियों

से स्वस्थ अंगों और ऊतकों को लेकर किसी अन्य ज़रूरतमंद व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। प्रत्यारोपित होने वाले अंगों में दोनों गुर्दे (किडनी), यकृत (लीवर), हृदय, फेफड़े, आंत और अग्न्याशय शामिल होते हैं। जबकि ऊतकों के रूप में कॉर्निया, त्वचा, हृदय वाल्व कार्टिलेज, हड्डियों और वेसेल्स का प्रत्यारोपण होता है। आँख, पाचक ग्रंथि, आँत, अस्थि ऊतक, हृदय छिद्र, नसें आदि अंगों का भी दान किया जा सकता है। पूरे देश में ज्यादातर अंग दान अपने परिजनों के बीच में ही होता है अर्थात् कोई व्यक्ति सिर्फ अपने रिश्तेदारों को ही अंग दान करता है। विश्व स्तर पर और भारत जैसे विकासशील देशों में अंग की बढ़ती आवश्यकता को रोकने में मृत दाता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि एक मृत दाता आठ व्यक्तियों को बचा सकता है। 2021 में, वैश्विक स्तर पर 1,44,302 अंग प्रत्यारोपण हुए, जिनमें से 26.44 प्रतिशत (38,156) मृतक अंग दान के हैं। भारत ने कुल 12,259 प्रत्यारोपण किए, जो वैश्विक प्रत्यारोपण में 8 प्रतिशत का योगदान देता है, जिसमें प्रमुख प्रत्यारोपण गुर्दे (74.27 प्रतिशत), उसके बाद लीवर (23.22 प्रतिशत), हृदय (1.23 प्रतिशत), फेफड़े (1.08 प्रतिशत), अग्न्याशय (0.15 प्रतिशत) और छोटी आंत (0.03 प्रतिशत) के हैं। एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, 2021 की तुलना में, भारत में क्रमशः किडनी (759), लिवर (279) और हृदय (99) में 1137 अधिक मृत अंग प्रत्यारोपण की सूचना मिली है। हालांकि, भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुमान के अनुसार, मांग को पूरा करने के लिए लगभग 175,000 किडनी, 50,000 लिवर, हृदय और फेफड़े और 2,500 अग्न्याशय की आवश्यकता है। प्रत्यारोपण की संख्या और अंग उपलब्ध होने की संख्या के बीच एक बड़ा अंतराल है। अंगदान जीवन के लिये अमूल्य उपहार है। अंगदान उन व्यक्तियों को किया जाता है, जिनकी बीमारियाँ अंतिम अवस्था में होती हैं तथा जिन्हें अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता होती है। जीवित व्यक्ति के लिये अंगदान के समय न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही अधिकांश अंगों के प्रत्यारोपण का निर्णायक कारक व्यक्ति की शारीरिक स्थिति होती है, उसकी आयु नहीं। जीवित अंगदाता द्वारा एक किडनी, अग्न्याशय, और यकृत के कुछ हिस्से दान किये जा सकते हैं। कॉर्निया, हृदय वाल्व, हड्डी और त्वचा जैसे ऊतकों को प्राकृतिक मृत्यु के पश्चात् दान किया जा सकता है, परंतु हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े और अग्न्याशय जैसे अन्य महत्त्वपूर्ण अंगों को केवल ब्रेन डेड के मामले में ही दान किया जा सकता है। अंगदान और प्रत्यारोपण 'मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम (टीएचओए) 1994 के अंतर्गत आता है, जो फरवरी 1995 से लागू हुआ। इस अधिनियम के अनुसार अंगदान सिर्फ उसी अस्पताल में ही किया जा सकता है, जहां उसे ट्रांसप्लांट करने की भी सुविधा हो। यह अपने आप में बेहद मुश्किल नियम था। इस नियम से दूर-दराज के इलाकों के लोगों का अंगदान तो हो ही नहीं पाता था। इस समस्या को देखते हुए सरकार द्वारा 2011 में इस अधिनियम को संशोधित किया गया। नए नियम के मुताबिक अंगदान अब किसी भी आईसीयू में किया जा सकता है अर्थात उस अस्पताल में ट्रांसप्लांट न भी होता हो, लेकिन आईसीयू है, तो वहां भी अंगदान किया जा सकता है। केवल भारत में ही नहीं दुनिया में हर साल लाखों लोगों के शरीर के अंग खराब होने के कारण मृत्यु हो जाती है।

दुनियाभर में रक्तदान के प्रति जागरूकता की वजह से बड़े पैमाने पर लोगों ने इसका महत्व समझा और आगे आकर स्वेच्छा से रक्तदान करने लगे हैं, उसी प्रकार अंगदान के प्रति वैश्विक जागरूकता की महत्ती आवश्यकता है। रक्तदान के बाद दूसरे स्थान पर है नेत्रदान। लोग अब नेत्रदान के लिए भी आगे आने लगे हैं। तथ्य बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर अंगदान में भारत की हिस्सेदारी बहुत ही कम है। यहाँ प्रति 10 लाख पर मात्र 0.15 लोगों द्वारा ही अंगदान किया जाता है। जब की प्रति 10 लाख पर अमेरिका में 27, क्रोएशिया में 35 एवं स्पेन में 36 लोग अंगदान करते हैं। अंगदान का पूरा रिकार्ड संधारित किया जाता है जिसकी जानकारी ''नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन'' को दी जाती है। 65 वर्ष उम्र तक के वे व्यक्ति जिनका ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया हैं वे अंगदान कर सकते हैं। ऐसे व्यक्ति का 4 घंटे तक दिल एवं फेफड़े, 6 से 12 घंटे तक किडनी, 6 घंटे तक लिवर, 24 घंटे तक पेनक्रियाज एवं 5 साल तक टिश्यू को सुरक्षित रख जा सकता है। प्राकृतिक मौत पर दिल के वाल्व, कॉर्निया, त्वचा एवं हड्डी जैसे ऊतकों का दान किया जा सकता है।

भारत के आम नागरिकों में अंगदान को लेकर उचित शिक्षा और जागरूकता का अभाव है। अधिकांश लोग मृत्यु के बाद जीवन एवं पारलौकिक विश्वासों में जीता है। अतः शरीर के अंगों में काट-छाँट उन्हें प्रकृति व धर्म के विपरीत लगता है। इसके अलावा समाज में व्याप्त अंधविश्वास, अंगदान के प्रति लोगों में स्पष्ट अवधारणा का अभाव में भय एवं मिथक, दूर दराज क्षेत्रों में सुविधाओं का अभाव, मानसिक तौर पर मृत व्यक्ति के परिजनों की सहमति नहीं मिल पाना, अस्पताल में अंग लेने के साधनों का अभाव और सबसे ऊपर जागरूकता का अभाव ऐसी चुनौतियां है जिन पर गहन चिंतन-मनन करते हुए अंगदान को व्यापक बनाया जा सकता हैं। लोगों को खासकर ब्रेन डेड मरीज के परिजनों को समझना होगा कि अंगदान सबसे बड़ा दान एवं पुण्य का काम है। अंगदान कर आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा कर उसके जीवन में मुस्कान लाकर, पुण्य कमाने में पहल कर समाज में उदाहरण बन सकते हैं।

सौंदर्य तो अस्थाई है लेकिन मन आपका जीवन भर साथ देता है।
एलिशिया मेकेडो

विचारों को मूर्त रूप देने की क्षमता ही सफलता का रहस्य है।
हेनरी वार्ड बीचर

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि नवमी, भौमवासरे, विशाखा नक्षत्रे, ब्रम्ह योगे, कौलव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, भौम व्रत, दुर्गा यात्रा गौरी पूजा हनुमान दर्शन रवियोग 7/39 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल तथा स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, धनी-मानी, साधनायुक्त साधु, मठ-मंदिर निर्माणकर्ता होगा।

मेष राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे प्रयास जारी रखें, प्रयत्नशीलता एवं तत्परता से लाभ होगा।

वृष राशि :- समय पर सोचे कार्य निपटा लें, कार्य तत्परता से लाभ अवश्य ही हो जायेगा, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी तथा कार्य संतोष होगा।

कर्क राशि :- परीक्षा में सफलता संभव है, सामर्थ के अनुसार प्रयास अवश्य करें, लाभ अवश्य होगा।

सिंह राशि :- कार्यवृत्ति में सुधार, चिन्तायें कम हों, सफलता के साधन जुटायें, कार्य निपटा लें।

कन्या राशि :- परिश्रम करने पर भी सफलता दिखाई न दे, स्त्री-वर्ग से तनाव तथा कष्ट अवश्य होगा।

तुला राशि :- कुछ लोगों से मेल-मिलाप फलप्रद, कार्य-क्षमता अनुकूल रहेगी, रुके कार्य अवश्य ही पूरे होंगे।

वृश्चिक राशि :- स्वास्थ्य नरम रहेगा, चोट का भय, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्य अवश्य बनेंगे।

धनु राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, दैनिक कार्यगति में सुधार होगा तथा कार्य बनेंगे।

मकर राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, इष्ट-मित्रों से परेशानी होगी, किसी धोखे से बचकर रहें।

कुंभ राशि :- कार्य-व्यवसाय गति मंद होते हुये भी साधन सफलता अवश्य बनेगी, ध्यान दें।

मीन राशि :- विघटनकारी तत्वों से परेशानी होगी, अनायास कुछ बाधायें संभंव अवश्य आयेंगी।

सेबी प्रमुख माधवी बुच का इस्तीफा और जेपीसी की मांग पर अड़ा विपक्ष

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। उन आरोपों को सेबी प्रमुख माधवी बुच ने अपने खंडन में एक तरह से स्वीकार कर लिए हैं। सेबी का पूर्ण कालिक डायरेक्टर और अध्यक्ष बनने के पहले उनका पैसा निवेश था। वह तब सिंगापुर की नागरिक थी। डायरेक्टर बनने के पहले उन्होंने अपने शेयर अपने पति के नाम पर ट्रांसफर कर दिए थे। 2018 में इस फंड को अनिल आहूजा की सलाह पर उन्होंने निवेश किया है। अब अनिल आहूजा ने कहां निवेश किया है। इस जिम्मेदारी से बुच दंपति ने अपना पल्ला झाड़ लिया है। आरोप का खंडन करते हुए उन्होंने कहा, उनके द्वारा कोई प्रत्यक्ष निवेश अदानी समूह में नहीं किया गया है। उनके पति धवल ने यह भी स्वीकार किया है। 2019 में ब्लैक स्टोन फंड से जुड़े थे, लेकिन वह फंड की रियल स्टेट विंग में नहीं थे। एक तरह से उन्होंने हिडनबर्ग के आरोपों को स्वीकार कर लिया है। अपने बचाव मे यह जरूर कहा, सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब हिडनबर्ग ने नहीं दिया है, उल्टा आरोप लगा दिए हैं। माधवी बुच ने 16 मार्च 2022 तक अगोरा पार्टनर्स सिंगापुर में 100 फ़ीसदी भागीदारी के बारे में कोई खंडन नहीं किया है। हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट में जो आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट के साथ जो दस्तावेज सार्वजनिक किए गए हैं। उन दस्तावेजों और आरोपों को माधवी और उनके पति धबल बुच ने स्वीकार कर लिया है। उस निवेश को नियमानुसार सही ठहरने का प्रयास किया है। इस सफाई के बाद भी हिडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सारा विपक्ष एकजुट होकर सेबी प्रमुख माधवी बुच से इस्तीफा मांग रहा है। इस्तीफा नहीं देने पर सरकार से निलंबन की मांग की जा रही है। विपक्ष का कहना है, सेबी प्रमुख के पद पर माधवी के रहते हुए जांच संभव नहीं है। विपक्ष का आरोप है, सेबी प्रमुख ने सुप्रीम कोर्ट को अंधेरे में रखा। जांच को अटकाने और भटकाने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी, टीएमसी, आम आदमी पार्टी सहित इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई करने की मांग की है। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस्तीफा मांग लिया है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कमेटी ने सेबी प्रमुख माधवी बुच की नियुक्ति की थी। जब पहली बार हिडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी के बचाव में पूरी ताकत लगा दी थी। जिन-जिन लोगों ने गौतम अडानी के बारे में संसद के अंदर और संसद के बाहर सवाल किए थे। उन सब को सरकार द्वारा प्रताड़ित किया गया। अतः जेपीसी के माध्यम से ही शेयर बाजार में हुई गड़बड़ी की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच संभव है। राहुल गांधी ने भी 20000 करोड रुपए की ऑफशोर फंडिंग मे पैसा किसका था। इसका जवाब अभी तक की जांच में नहीं मिला है। उन्होंने भी जेपीसी की मांग की है। हिडनबर्ग का भारत से प्रत्यक्ष रूप से कोई लेना-देना नहीं है। सेबी ने जो नोटिस जारी किया था। उसका जवाब देना उसके लिए आवश्यक नहीं है। सेबी का मानना था, वह कोई जवाब नहीं देगा, इस मामले को रफादफा कर दिया जाएगा। लेकिन यह दांव सेबी पर उल्टा पड़ गया। हिडनबर्ग ने दूसरी बार की रिपोर्ट में सेबी प्रमुख और अडानी के बीच के संबंधों को उजागर कर दिया। भारत की नियामक संस्था, सेबी प्रमुख द्वारा किस तरह से अडानी समूह को बचाया जा रहा है। अदानी समूह और सेबी प्रमुख के रिश्ते उजागर हो गए हैं। दूसरी रिपोर्ट के दस्तावेजों के आधार पर जांच कराए जाने का दबाव सरकार और सुप्रीम कोर्ट पर बढ़ गया है। जिस तरह से यह मामला तूल पकड़ रहा है। उसको लेकर शेयर बाजार में भारी घबराहट है। रविवार के दिन सरकार, सेबी और कारपोरेट जगत ने बाजार को गिरने से रोकने के लिए रणनीति तैयार कर ली थी। सोमवार को जब शेयर बाजार खुला, गिरावट के साथ कारोबार शुरू हुआ। सभी वित्तीय संस्थानो और कारपोरेट जगत के सहयोग से बाजार को गिरने से रोका गया। विदेशी निवेशक लगातार शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। उससे ज्यादा पैसा भारत सरकार की वित्तीय संस्थाएं शेयर बाजार में निवेश कर रही हैं। बाजार में भारी पैसा निवेश किया है। डीमेट के माध्यम से करोड़ों आम लोगों ने म्युचुअल फंड में निवेश किया है। सोमवार को बाजार की गिरावट को, किसी तरीके से रोक लिया गया है। अदानी समूह के शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। जिस तरह की घबराहट आम निवेशकों में है।

दिल्ली की सिंधासन के लिए सियासी जंग शुरू

भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ व पंडितयों के मध्य चिन्तन व चर्चा दबी जुबान से शुरू हो गई कि मोदी व शाह के लिए तीसरे काल में सरकार चलाना इतना आसान नहीं, जिसकी झलकआये दिनों देखने को मिलनें लगी है। विश्व के राजनीति पटल पर सदियों से अपना सिक्का जमाने वाला हमारा देश भारतवर्ष सैदव ही चर्चा के केन्द्र में रहता है।भारतीय राजनीति में इसी क्रम में परिवर्तन का चक्र चला दिल्ली दरबार के सिंधासन भाजपा व उनकी सहयोगी दलों की सरकार बनी, 2014 से 2024 दो कार्यकाल तक चली,भाजपा व मोदी सरकार के हौसले बुलंद थें।दूसरे कार्यकाल में तो विपक्ष को कुछ नही माने देश के लोकतंत्र के मन्दिर में संविधान संसोधन,बिल पास करवाने विपक्षों दलो के सांसद का निलम्बन आदि काफी चर्चा व चिन्तन का विषय बना,पार्टी द्वारा अपने संरक्षक स्वरूप आर एस एस अर्थात संघ की अनदेखी तक करते लगी।सर पर 2024 का साधारण चुनाव था।इसके पूर्व राज्यो के विधान सभा चुनावों में सफलता मिलती देख कर,अपने समर्थकों व पार्टी के कार्यकत्ताओं के लिए फरमान जारी कर दिया कि मोदी-शाह के नेतृत्व में अबकी बार 400 का दिया, पार्टी नें अपने मोदी-शाह जिसे चाणक्य भी कहा जाने था। लोकसभा चुनाव के परिणाम 400 का आकंडा पहुंचना तो दुर की बात-सरकार बनाने के लिए दो दलों का बैसाखी का लेना पड़ा।भारतीय राजनीति के क्षितिज पर विगत 10 बर्षो तक चमकने -दमकने वाला मोदी व उसके अजीज दोस्त शाह की करिश्माई जोड़ी के नेतृत्व में एन डी ए व दो बैशाखी के सहारे की सरकार तो बना ली, लेकिन दिल्ली दरबार की तीसरी मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही यह पूछा जाने लगा था कि भाजपा व उसके सहयोगी दलों की केन्द्र में सरकार कितने दिन चलेगी ?यहाँ पर आपके मन सक व शंका उठना स्वाभाविक है कि 10 बर्षो से केन्द्र सरकार में एन डी ए की नेतृत्व वाली सरकार के लिए ऐसी कहना उचित है क्या। मै यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ कि ऐसी आशंका किसी भी गठबंधन सरकार के लिए जताई जाती रहीहै।कई गठबंधन सरकारें चली भी हैं,तो गठबन्धन की सरकार ताश के पत्ते की भरभरा कर गिरी भी हैं। आप को स्मरण होगा सन1992 में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में बनी नरसिंह राव की सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया था।उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बीजेपी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए)ने भी अपना कार्यकाल पूरा किया था।डा0 मनमोहन सिंह की अगुवाई में दो सरकारों–यूपीए 1और यूपीए 2 ने अपना कार्य काल पूरा किया था।वही गठबंधन सरकारों के बीच में ही भरभराकर गिर पड़ने के कई उदाहरण हैं।भारतीय राजनीति में आपातकाल अध्याय के बाद केंद्र में विपक्ष की बनी पहली सरकार जनता पार्टी की एक तरह से गठबंधन की ही सरकार थी।वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। बाद में 1989 में जनता दल के नेतृत्व में बनी सरकार भी बीच में ही गिर गई थी। इस सरकार को एक ओर से वामपंथी तो दूसरी ओर से बीजेपी समर्थन दे रही थी।इसी तरह से अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी दो सरकारें भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं।एक बार तो वाजपेयी लोक सभा में बहुमत ही नहीं साबित कर पाये(सरकार महज 13 दिन रही)और दूसरी बार सरकार बनी तो महज 13 महीनों में ही गिर गई।इससे पहले चौधरी चरण सिंह की सरकार महीने भर और चंद्रशेखर की सरकार भी चार महीने में ही गिर चुकी है। एक बच्चे की सउरी(गर्भवती जिस कमरे में बच्चे को जन्म देती है)में ही नजर उतराई(झाड़-फूंक) होने लगे उसके सौ साल जीने की उम्मीद कैसे लगाई जाए।राहुल गाँधी और लालू प्रसाद यादव दोनों इस ख्वाहिश को जता चुके हैं कि नरेंद्र मोदी की एन 1 व एन 2 की बैसाखी वाली सरकार कितने दिन चल पायेगी।दोनों सहयोगी दलों मोदी सरकार से अपनी दलो व राज्यों सरकार कई बात की उम्मीद लेकर बैठे हैं। सर्व विदित रहे कि तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू,जिनकी पार्टी के 16 सदस्य हैं और जनता दल यू के नेता नीतीश कुमार,जिनके दल के 12 सदस्य हैं,किसी न किसी दिन सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे।संसद के बजट सत्र में ,इस बात के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी चुतराई से दोनों राज्यों को बड़े पैकेज देकर उनकी चाहत का ख्याल रखा गया। उन्हें असंतोष नहीं हुआ लैकिन दूसरे राज्यों में असंतोष देखने को मिला है,उनका मानना है कि मोदी सरकार ने बजट में उनके साथ अन्याय हो रहा है।जिसकी झलक नीति आयोग की बैठक मुख्य मंत्रियों का बहिष्कार कर हालॉकि प० बंगाल की मुख्य मंत्री सुश्री ममता बनजी बैठक में बैठक के मध्य में छोड़ कर चली गई।उनका आरोप था कि उन्हें बैठक में बोलने के लिए एक तो कम समय मिला इतना ही बीच में उनका माईक बंद कर दिया।मोदी सरकार व पार्टी का मानना है कि अगर चंद्रबाबू और नीतीश के समर्थन वापस ले लेने पर भी सरकार के पास 266 सदस्यों का समर्थन रहेगा। जिसकी सरकार होती है उसके लिए छह बाकी सदस्यों का इंतजाम करना बहुत मुश्किल नहीं होगा।वे महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की तरह केंद्र में भी दूसरी पार्टियों के सांसदों को बीजेपी में मिलाकर अपनी संख्या 272 तक पहुंचाने की कोशिश जरूर करेंगे। पीछे भी यही मोदी शाह टीडीपी के सांसदों को तोड़ भी चुके हैं, इसलिए इस बात की गारंटी नहीं है कि वे इस बार ऐसी कोई कोशिश नहीं करेंगे इसलिए सरकार गिरे,यह सहज में तो संभव नहीं।लेकिन सरकार के सामने समस्या है,और वह असल समस्या यह है कि भाजपा और संघ में मोदी और शाह के खिलाफ असंतोष बन आया है।उनकी वोट दिला पाने की क्षमता और चाणक्यगीरी–दोनों पर सवालिया निशान लग गया है।माना जा रहा है कि उनकी गलत नीतियों और उनकी मनमानी के कारण लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान हुआ है।इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में होने वाले जम्मू-कश्मीर,महाराष्ट्र,हरियाणा और झारखंड विधान सभा के चुनावों में यदि भाजपा हारती है तो मोदी-शाह के नेतृत्व पर सीधा सवाल उठ सकता है।उन्हें बदलने की मांग उठ सकती है। साथ ही, मोदी और शाह पर अब जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का भी दबाव है। लोकसभा चुनाव में जनता ने दिखा दिया है कि वह मोदी सरकार के कार्यकाल से खुश नहीं है और उन्होंने अपनी कार्यशैली न बदली तो इस बार बहुमत नहीं दिया,आगे इस लायक भी नहीं छोड़ेगी कि वे सरकार बना सकें।भाजपा का कोर वोटर वर्ग भी अब यह आशा छोड़ चुका है कि मोदी और शाह अब हिंदुत्व का कोई बड़ा काम कर पाने की हैसियत में हैं।2047 में भारत की बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाने का लोक लुभावना उन्हें प्रंसद नही आ रहा।उनका सीधा सवाल है,कहाँ गया एनआरसी या कॉमन सिविल कोड का मुद्दा? पीओके को भारत में मिलाने का मुद्दा?बढ़ती आबादी पर लगाम लगाने का मुद्दा? ये सवाल दिनोंदिन प्रखर होते जाएंगे।

खतरे के निशान के ऊपर है गंगा

इस समय गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही है । गंगा सिर्फ एक नदी ही नहीं बल्कि एक संस्कृति है । एक संस्कार है । एक मुहावरा है और एक कहावत भी। मै जिस गंगा की बात कर रहा हूँ ,वो हिमालय की बेटी गंगा भी है धरती पर बहने वाली गंगा से इतर फाइलों में बहने वाली भ्रष्टाचार की गंगा भी है। गंगा जब सीधी बहती है तब शुभ मानी जाती है लेकिन गंगा जब उलटी बहने लगती है तो उसे अशुभ कहा जाता है। आजकल गंगा जमीन पर भी उलटी बह रही है और सरकारी फाइलों में भी। पटना से हमारे दोस्तों ने बताया है की राज्य में दोनों गंगाएं खतरे के निशान से ऊपर बह रहीं हैं। देश में जब-जब भ्रष्टाचार की गंगा उलटी या सीधी बहती है तब-तब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आ जाती है।अमेरिकी रिसर्च कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी एक रिपोर्ट में भारत में सिक्योरिटी मार्केट रेगुलटर (नियामक) सेबी की मौजूदा चेयरमैन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है। पिछले 18 महीने में भारत के कारोबारी और वित्तीय बाज़ार में कथित वित्तीय अनियमितता को लेकर जारी की गई उसकी ये दूसरी रिपोर्ट है। इससे पहले जनवरी 2023 में इसने भारत के प्रमुख औद्योगिक घराने अदानी समूह पर रिपोर्ट जारी कर हलचल मचा दी थी। मुझे लगता है की हिंडनबर्ग राष्ट्रद्रोही रिसर्च करती है। उसे अपनी रिपोर्ट्स हिडन रखना चाहिए , भाजपा और संघ के एजेंडे की तरह ,लेकिन हिंडनबर्ग है कि मानता ही नहीं। बार-बार रिपोर्ट्स जारी कर देता है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट झूठी है या सच्ची ये हम नहीं जानते,किन्तु सब इस रिपोर्ट की प्रतीक्षा करते है। विपक्ष के लिए हिंडनबर्ग की रिपोर्ट एक हथियार होती है और सत्तापक्ष के लिए एक भयानक वार। रिपोर्ट आने की भनक मिलते ही सरकार

ने संसद का सत्र समय से पहले ही लपेट दिया,अन्यथा इस रिपोर्ट को लेकर देश में,संसद में जमकर हंगामा होता। हमारी सरकार किसी भी हंगामा में यकीन नहीं रखती। वैसे भी हमारी बैशाखियों पर टिकी सरकार हंगामा -प्रूफ सरकार है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जिन बुच दम्पत्ति का जिक्र किया गया है सरकार और सेबी उनके पीछे ढाल बनकर खड़ी हो जाती है। सेबी की नजर में बुच दम्पत्ति और सरकार की नजर में दोनों पूरी तरह पाकीजा हैं। हमारे मध्यप्रदेश में भी किसी जमाने में एक बुच दम्पत्ति हुआ करते थे । ईमानदारी के मामले में उनका डंका बजता था। डंका तो माधवी और धवल भी बज रहा है ,लेकिन उसकी ध्वनियाँ अलग तरह की हैं उनका नाम ऐ-२ से जोड़ा जा रहा ह।फिलहाल ऐ-१ का नाम इस रपट में नहीं आया है।

बुच दम्पत्ति का दुस्साहस देखिये कि सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने दो पन्नों का एक बयान जारी कर हिंडनबर्ग के दावों को ख़ारिज कर दिय। बुच दम्पत्ति का कहना है कि रिपोर्ट में जिस फ़ंड का ज़िक्र किया गया है, उसमें 2015 में निवेश किया गया था और ये माधबी के सेबी का सदस्य बनने से दो साल पहले का मामला है।स्वाभाविक रूप से इस रिपोर्ट के प्रकाश में कांग्रेस ने समूचे मामले की मांग की ह। कांग्रेस चाहती है की इस मामले कीजांच के लिए संयुक्त संसदीय जांच समिति गठित की जाये। सेबी की रिपोर्ट और उससे हुए खुलासे से आम जनता को कोई ख़ास फर्क नहीं लड़ता ,क्योंकि उसे पता है कि सरकार न सिर्फ सेबी को सेव् करने के लिए उसके पीछे पहाड़ बनकर खड़ी होगी ,वरन हमलावर कांग्रेस से भी जूझ लेगी। क्योंकि भ्र्ष्टाचार की गंगा में सेबी या बुच दम्पत्ति अलग नहीं है। ऐ-२ भी कहीं न कहीं इस गंगा में डुबकी लगा रहे हैं। दरअसल सरकार न इस गंगा का कुछ बिगाड़ सकती है न उस गंगा का कुछ बिगाड़ सकती है। दोनों के बीच बिगाड़ का रिश्ता है ही नहीं। बेवश सरकार को देखकर ही गंगा अपने तेवर बदलती है। बिहार के आरा में गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है जिसके कारण गंगा के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा अब मंडराने लगा है. गंगा का पानी खतरे के निशान से 53.08 को पार कर अब 53.20 सेंटीमीटर हो चुका है, जोखतरे के लाल निशान से करीब 12 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है। गंगा को देख सोन नदी भी कहर ढाना सीख गयी है। जमीन पर बहने वाली गंगा की तरह भ्र्ष्टाचार की अदृश्य गंगा के खतरे के निशान का कोई उल्लेख नहीं है। इसलिए आज मेरे लिए ये कहना मुमकिन नहीं है कि भ्रष्टाचार की गंगा खतरे के निशान के ऊपर है या नहीं।

गंगा किनारे रहने वाले हमारे शुभचिंतकों ने सूचना दी है कि गंगा के बढ़ते जलस्तर से गंगा तटवर्ती के कई गांव के संपर्क पथ के ऊपर से बाढ़ का पानी बह रहा है, जिससे गांव के लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हो रही है। वहीं सरकारी स्कूलों के अंदर भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है, जिससे स्कूल पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। इधर बाढ़ के पानी से खेतों में लगी फसल तो बर्बाद हो ही रही है और तेज बहाव से सड़कें भी छतिग्रस्त होने लगी हैं। इसके अलावा तटवर्ती इलाकों में कटाव भी शुरू हो चुका है और इसकी जद में कई पेड़, पौधे, घर सब अब पानी में जमींदोज हो रहे हैं। हम सब जानते हैं की गंगा से हमारा गहरा नाता है। सरकार के मुखिया तो खुद गंगा पुत्र है। गंगा की पुकार पर ही वे 2014 में गुजरात छोड़कर बनारस आये थे। बनारस में भी अब गंगा खतरे के निशान की तरफ बढ़ रही है । 2024 के लोकसभा चुनाव में गंगा-पुत्र को मिले वोट इस बात का सबूत हैं। गंगा जमीन पर बहने वाली हो या फाइलों में बहने वाली है तो गंगा ही। गंगा उलटी बहे या सीधी ये गंगा की मर्जी । गंगापुत्र गंगा से कुछ नहीं कह सकते । वे कहते भी नहीं हैं और आगे भी नहीं कहेंगे ,फिर चाहे हिंडनबर्ग दस सिर के हो जाएँ ।गंगा का काम सबके पाप धोना है। गंगा एक सरकारी लाउंड्री है। लेकिन इस गंगा को आप किसी जाम में मिलाकर शराब को पाकीजा नहीं बना सकते,ऐसा बाबा गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं । शिव की जटाओं में उलझी गंगा भगीरथ के प्रयास से जमीन पर आयी है लेकिन उसके समानांतर भ्र्ष्टाचार की गंगा इंसान ने खुद प्रकट की है और खुद उसके प्रवाह को बढ़ाया है , भ्र्ष्टाचार की गंगा अब खतरे के निशान पर है । ये देश को पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने में सबसे बड़ी बाधा है। भ्र्ष्टाचार की गंगा को आगे बढ़ने से रोकने के लिए माइक्रो लेबिल से काम शुरू करना होगा। अन्यथा आज सरकार बैशाखियों पर टिकी है,कल ये सरकार औंधे मुंह गिर भी सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

कहानियां बनीं लर्निंग का मजेदार टूल

एक सजे-धजे हॉल में टीनएजर्स का एक समूह बैठा हुआ है। वे सभी किसी बात पर न सिर्फ हंस रहे हैं, बल्कि इंस्ट्रक्टर से लगातार इंटरैक्शन भी कर रहे हैं। मगर यह किसी टीचर की क्लास नहीं है। असल में ब्रिटेन की स्टोरीटेलर एमिली हेनेसी किसी पेड़ के नीचे या हॉल में बड़े ही मजेदार तरीके से एक भारतीय लोक कथा सुनाती हैं। दुनिया के ज्यादातर देशों में स्टोरीटेलिंग या कथा-कथन किसी-न-किसी रूप में आज भी मौजूद है। हम सभी को बचपन में दादी, नानी कहानियों के जरिए शिक्षा देती रही हैं।

लोक कथाओं या पौराणिक कहानियों से न सिर्फ मन-मस्तिष्क तनाव-मुक्त होता है, बल्कि रोचक अंदाज में सुनाई जाने वाली कहानियों से पढ़ाई की कठिन बातें समझने में भी आसानी होती है। इस बात को नए दौर के शिक्षाविद भी मान रहे हैं। कठिन सवालों के जवाब पपेटियर और स्टोरीटेलर पूरन भट्ट कहते हैं, आपके सामने मैथ्स के कठिन सवाल हों या विज्ञान के थ्योरम्स, इन्हें पपेट (कठपुतली) के जरिए आसानी से समझा जा सकता है। रंगबिरंगे, अलग-अलग आकृति के पपेट मस्तिष्क पर विशेष प्रभाव डालते हैं। अगर इनके मुंह से स्टडी मटेरियल से जुड़ी बातें कहलवाई जाएं, तो ये लंबे समय तक याद रह सकती हैं। कॉलेज स्टूडेंट रोहन ने पिछले दिनों वीकएंड पर पपेट स्टोरीटेलिंग में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने पपेट के जरिए ही कई नई बातें सीखीं। वे कई ऐसे जरूरी काम करना भी सीख गए, जो पहले नहीं कर पाते थे। स्टोरीटेलर पूरन भट्ट बताते हैं कि कहानियां कई तरह की हो सकती हैं। वे पुरानी भी हो सकती हैं और नई भी। स्थान और विषय के हिसाब से पपेट द्वारा कहानियां कही जा सकती हैं।

रिफ्रेश होता है दिमाग

तारों से लटकते हुए तरह-तरह के मास्क... पर्दे के पीछे से बारी-बारी से आती डरावनी और मधुर आवाजें...। इन सब के बीच योरपीय फोक टेल्स सुनाते ब्रिटेन के टिम राल्फ। टिम मॉडर्न आर्ट फॉर्म के जरिए स्टोरीटेलिंग करते हैं। इसके लिए उन्हें स्टोरीटेलिंग एक्सीलेंस का ब्रिटिश अवॉर्ड भी मिल चुका है। उनकी कहानियां सुनने ऐसे किशोर व युवा भी आते हैं, जो अपने ऊपर पढ़ाई का दबाव महसूस करते हैं। टिम कहानियां कहने के लिए संगीत की भरपूर मदद लेते हैं। उनके चेहरे के हाव-भाव देखकर सामने वाला हंसे बिना नहीं रह पाता। वे कहते हैं, इन दिनों किशोरों पर पढ़ाई का दबाव कुछ अधिक है। ऐसी स्थिति में कुछ पल हंसी उन्हें तनाव मुक्त कर देती है। स्टोरीटेलिंग के माध्यम से हम कई नई चीजें भी सीख सकते हैं।

आज के फॉर्मेट में

शकुंतला नॉवेल के लेखक उत्कर्ष पटेल ऑनलाइन टॉकिंग मिथ्स प्रोजेक्ट के संस्थापक भी हैं। इसमें स्टोरीटेलिंग के माध्यम से भारतीय उपमहाद्वीप की पौराणिक कहानियों को आर्काइव किया जाता है। इसे सबसे ज्यादा हिट टीन्स से ही मिलते हैं। उत्कर्ष बताते हैं, यदि घिसे-पिटे ढर्रे के बजाए पौराणिक कथाओं को आज के संदर्भ में पेश किया जाए, तो यह न सिर्फ मनोरंजक, बल्कि शिक्षाप्रद भी होगा। हां, इसकी रोचकता बरकरार रहनी चाहिए।

एकाग्रता बढ़ाने में मदद

उषा वेंकटरमन पिछले 18 वर्षों से नाटक और संगीत की मदद से लोगों को भारत और विदेशों की लोक कथाएं व पौराणिक कहानियां सुना रही हैं। वे कहती हैं, मैं गाने गाकर या पपेट के जरिए भारतीय लोक कथाएं और पौराणिक कथाएं सुनाती हूं।
उषा कहानियों के बीच में पहेलियां और चुटकुले भी सुनाती हैं। इसके बाद वे श्रोताओं से सवाल करती हैं। वे कहती हैं, इंटरैक्शन से ही एकाग्रता विकसित होती है। एकाग्रता से आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। दरअसल, स्टोरीटेलिंग की ताकत इतनी ज्यादा होती है कि आप कहानियों से जुड़े बिना नहीं रह सकते।

एनडीए- एनए परीक्षा के लिए प्लानिंग के साथ पढ़ाई भी जरूरी है

अगर आप रक्षा सेवाओं में जाकर देश की सेवा करना चाहते हैं और आपमें इसके लिए जरूरी साहस व जज्बा है, तो एनडीए परीक्षा आपका पहला पड़ाव होगी। इस परीक्षा के लिए प्रशिक्षण देने हेतु कई कोचिंग इंस्टीट्यूट तो हैं मगर इसमें सफल होने के लिए आपमें दृढ़ निश्चय और जुनून का होना भी जरूरी है। यदि आप यह परीक्षा देने जा रहे हैं और आपने अभी तक इसकी कोई खास तैयारी नहीं की है, तो सही प्लानिंग के साथ पढ़ाई करना बहुत जरूरी हो जाता है।

सिलेबस

इस परीक्षा में दो पेपर होते हैं - मैथमेटिक्स (120 प्रश्न, 300 अंक) और जनरल एबिलिटी (150 प्रश्न, 600 अंक)। प्रत्येक पेपर ढाई-ढाई घंटे का होता है। हर गलत उत्तर पर 1/3 अंक काटा जाता है। गणित के पेपर में इन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे- अल्जेब्रा, मेट्राइसेज एंड डिटरमिनेंट्स, ट्रिगॉनोमेट्री, एनालिटिकल ज्योमेट्री ऑफ टू एंड थ्री डायमेंशंस, डिफ्रेंशियल कैल्कुलस, इंटीग्रल कैल्कुलस एंड डिफ्रेंशियल इक्वेशंस, वेक्टर अल्जेब्रा, स्टैटिस्टिक्स एंड प्रॉबेबिलिटी। दूसरे पेपर (जनरल एबिलिटी टेस्ट) में पहला हिस्सा इंग्लिश लैंग्वेज का और दूसरा जनरल नॉलेज का होगा। जनरल नॉलेज के तहत इन विषयों से प्रश्न पूछे जाएंगे- फिजिक्स, केमिस्ट्री, जनरल साइंस, हिस्ट्री, फीडम मूवमेंट, ज्योग्राफी, करंट इवेंट्स।

लास्ट मिनिट टिप्स

जब परीक्षा बिल्कुल सिर पर हो, तो अक्सर विद्यार्थी घबराहट में कुछ-न-कुछ गड़बड़ कर बैठते हैं। इससे बचने के लिए इन बातों का ध्यान रखें-

- अनावश्यक तनाव आपका सबसे बड़ा दुश्मन साबित हो सकता है। इसलिए अपने आप पर भरोसा करें और शांत बने रहें।
- आपका दिमाग अच्छी तरह काम करे, इसके लिए पर्याप्त आराम लेना जरूरी है। परीक्षा से पहले की रात अच्छे से सोएं।
- लास्ट मिनिट रिविजन में फॉर्मूलों और शॉर्ट ट्रिक्स पर एक बार फिर नजर डाल लें।
- परीक्षा वाले दिन हल्का और पौष्टिक भोजन लें।
- पेपर सॉल्व करने में टाइम मैनेजमेंट का ध्यान जरूर रखें। जिस प्रश्न का उत्तर तुरंत नहीं सूझ रहा, उस पर समय बर्बाद न करें। आगे बढ़ जाएं। बाद में समय होने पर उस प्रश्न पर लौटें।
- अंत में यदि समय बचे, तो सारे उत्तरों को रिवाइज कर लें।

स्कूली पढ़ाई से अलग कैसे

ऐसी सलाह दी जाती है कि एनडीए एग्जाम की तैयारी 11वीं से ही शुरू कर देनी चाहिए। दरअसल एनडीए एग्जाम का सिलेबस स्कूल करिकुलम जैसा ही है, इसलिए यदि आपने स्कूल में बेसिक कॉन्सेप्ट समझ लिए हैं, तो इस परीक्षा में आपको कोई विशेष दिक्कत नहीं आनी चाहिए। मगर केवल स्कूल की पढ़ाई करने से एनडीए प्रवेश परीक्षा में सफल होने की गारंटी नहीं मिल जाती। कारण यह कि स्कूल आपको इस परीक्षा के लिए तैयार नहीं करते। इसके लिए अलग से कोचिंग लेना ठीक रहता है। किसी मेंटर से मार्गदर्शन लेने और टेस्ट सिरीज सॉल्व करने से आपको फायदा होता है।

ताकत-कमजोरी का आकलन

मॉक टेस्ट पेपर और सैंपल पेपर सॉल्व करने से आप अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन कर सकते हैं। अपनी कमजोरियां पहचानने पर उन्हें जल्द-से-जल्द दूर करने का प्रयास करें। स्पीड भी, एक्यूरेसी भी इस परीक्षा में लाखों होनहार युवा शामिल होते हैं। ऐसे में सफल होने के लिए स्पीड भी जरूरी है और एक्यूरेसी भी। मैथमेटिक्स के हर कैल्कुलेशन के लिए पेन-पेपर का इस्तेमाल करने से बचें। ऐसी ट्रिक्स अपनाएं, जिनसे आप मन में ही कैल्कुलेशन कर सकें। इससे आपकी स्पीड बढ़ेगी। मगर ध्यान रहे, स्पीड के चक्कर में एक्यूरेसी से समझौता न करें क्योंकि इस परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी होती है।

अनुशासन जरूरी

यूं तो किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए अनुशासन बहुत जरूरी होता है मगर यहां तो आप ऐसे करियर की तैयारी कर रहे हैं, जिसमें जीवन भर अनुशासन का पालन करना बेहद जरूरी होगा। इसलिए अभी से ही इसकी आदत डाल लें और पूरे अनुशासन के साथ पढ़ाई करें। यह आगे भी आपके काम आएगा।

अपने कार्यस्थल पर अपनी आइडेंटिटी तलाशें

आप हाल ही में कॉलेज से निकले हैं या आपने किसी कंपनी में एक नई पोजिशन पर ज्वॉइन किया है तो आपको इस बात में थोड़ा समय लग सकता है कि आखिरी आपकी मंजिल क्या है और आप क्या कर रहे हैं। इसलिए आपको अपनी करियर आइडेंटिटी पर काम करना जरूरी है। करियर आइडेंटिटी से मतलब दूसरे से अलग करने वाला आपका काम और आप। एक बार आपको यह बात समझ आ गई कि आप अपने ऑफिस में क्यों है, अपने सहकर्मियों को क्या योगदान दे रहे हैं तो यह सब अलग लगने लगेगा। अपने कार्यस्थल पर अपनी आइडेंटिटी तलाशने के लिए आपको ये काम करना होगा।

अलग-अलग चीजें करें

असफल होने का डर हमारे आसपास मंडराता रहता है। लेकिन आपको यह समझना होगा कि कोशिश करने के बाद भी विफल होना गलत नहीं है। अगर आप नहीं समझ पा रहे हैं कि आपकी करियर आइडेंटिटी क्या है तो आपको अलग-अलग चीजें करने से डरना नहीं चाहिए। जिसने तरह के काम आप करेंगे आप अपने काम को लेकर पैशनेट होएंगे।

शंका है तो जरूर अप्लाई करें

अगर आप अपने करियर के साथ वाकई कुछ खास करना चाहते हैं तो आपको कुछ इंटरेस्टिंग रिस्क लेनी होती है। अगर आपको यह लगता है कि किसी कंपनी में आपको जॉब नहीं मिलेगी तो वहां जरूर अप्लाई करे। अगर आपको करियर आइडेंटिटी डेवलप करनी है तो आपको विश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा। अप्लाई करने से ज्यादा से ज्यादा क्या होगा, आपका रिज्यूमे रिजेक्ट होगा और आप अगली जॉब लिस्टिंग की तरफ देखेंगे।

आपकी इमोशनल अपील

करियर आइडेंटिटी डेवलप करना आसान है जब आपको पता हो कि आप लोगों को किस तरह से इमोशनल अपील कर पाते हैं। क्या आप सुपर रिलायबल है, क्या आप क्रिएटिव है। क्या आप ऐसे शख्स है जो क्राइसेस के दौरान मौजूद रहते हैं।

काम के बारे में सोचे

नौ से पांच की नौकरी में यह भूल जाना आसान है कि पहले स्थान पर क्यों थे जब पूरा समय आपका स्प्रेडशीट्स और मीटिंग्स में गुजर जाए। लेकिन अगर आप काम का केंद्र अपने एक्शंस पर रखें तो आप अपनी करियर आइडेंटिटी को आसानी से बना सकते हैं।

वीसा इंटरव्यू में जाने से पहले समझ लें रूल्स

आज कई स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स यूएस में पढ़ते या काम करते हैं। ऐसे में जब वीसा लेने की बारी आती है तो उसे लेकर काफी असमंजस रहता है। वीसा इंटरव्यू के दौरान छोटी-छोटी गलतियां आपके लिए मुसीबत बन जाती है। बेहतर है कि इंटरव्यू में जाने से पहले आप उसके रूल्स समझ लें। यह जान लें कि आखिर इंटरव्यू के दौरान कौन सी चीजें ले जाने की अनुमति नहीं है, इससे आप किसी भी तरह की असुविधा से बच सकते हैं।

अमेरिकी दूतावास व कॉन्सुलेट्स चाहते हैं कि आपका वीसा इंटरव्यू सुरक्षित व सुगम हो। वीसा आवेदक और यूएस मिशन इंडिया के परिसरों में आने वाले सभी लोगों को सुरक्षा नियमों का पालन करना होता है। निषिद्ध वस्तुओं की सूची इस प्रकार है -

- बैटरी ऑपरेटेड या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जैसे मोबाइल फोन, कार की रिमोट चाबी, डिजिटल डायरी, पेजर, कैमरा, ऑडियो-वीडियो कैसेट, कॉम्पेक्ट डिस्क, एमपी3, फ्लॉपी डिस्क, फ्लैश ड्राइव, मेमोरी स्टिक, ब्लू टूथ डिवाइस, लैपटॉप या टैबलेट कम्प्यूटर तथा पोर्टेबल म्यूजिक प्लेयर।
- बड़े शोल्डर बैग/पर्स, ट्रैवल बैग, बैकपैक, ब्रीफकेस या सूटकेस। केवल ऐसे बैग लाने की अनुमति होगी, जो हाथ में उठाए जा सकें, जैसे खुले प्लास्टिक बैग, जिनमें आवेदन से संबंधित कागजात हों या फिर कपड़े की छोटी थैलियां व जिप फोल्डर।
- कोई भी खाद्य या पेय सामग्री।
- कॉस्मेटिक्स (इनमें स्प्रे परफ्यूम/ कोलोन तथा टैलकम/ बेबी पावडर शामिल है)।
- सीलबंद लिफाफे या पैकेज।
- ज्वलनशील पदार्थ, जैसे सिगरेट, सिगार, माचिस, लाइटर।
- चाकू-छुरी व अन्य धारदार वस्तुएं, जैसे कैंची व नेल फाइल।
- हथियार या ऐसी कोई भी वस्तु जिसका हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।
- लंबे हैंडल वाले छाते (जो बंद होने पर 40 सेंटीमीटर से अधिक लंबे हों)।

हालांकि यह सूची संपूर्ण नहीं है। इनके अलावा भी किसी वस्तु पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर, आप अपने साथ जितना कम सामान लेकर आएं, उतना बेहतर होगा।

वर्कप्लेस पर प्रोडक्टिव रहने के आसान तरीके

हम सभी कम समय में ज्यादा काम पूरा करने की इच्छा रखते हैं लेकिन लंबे समय में इसे कैसे आदत बनाएं और किस तरह बरकार रख सकते हैं। वर्कप्लेस पर प्रोडक्टिव रहने के तीन सामान्य और आसान तरीके अपना सकते हैं।

- व्यक्तिगत जीवन में काम करने के तरीकों में बदलाव लाकर आप ऑफिस में ज्यादा प्रोडक्टिव हो सकते हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है, एक समय पर एक काम पर ध्यान देना और यह आपके काम, व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक व सामुदायिक जीवन और स्वास्थ्य को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करेगा। इस बात को उदाहरण से इस तरह समझा जा सकता है कि अगर आप अपने वर्क डेस्क पर ही सैंडविच खा रहे हैं तो यह सबसे पहले बंद कीजिए। बजाए इसके आप अपने पसंद के सहकर्मी के साथ हेल्दी लंच करें। यह आपका स्वास्थ्य, आपकी प्रोफेशनल लाइव और कम्यूनिटी रिलेशन को इम्प्रूव करेगा। आप भले ही लंच लेने को कोई प्रोडक्टिव एक्टिविटी न मानते हो लेकिन इससे आप मल्टीपल गोल्स पूरा करते हैं।
- प्रोडक्टिव होने का एक और तरीका है अपनी एनर्जी और टाइम को मैनेज करना। ऐसे कामों की सूची बनाइए जिसे पूरा करना है लेकिन जिसमें कम मेंटल एनर्जी की जरूरत हो। अगर आप शाम को बेहतर काम कर पाते हैं तो आप सुबह काम की धीमी शुरुआत करें और चैलेंजिंग टास्क को दिन के दूसरे पहर में पूरा करें।
- अगर आपको जरूरी काम दूसरे दिन करना हो तो बेहतर है कि एक रात पहले अपने कैलेंडर को एग्जामिन कर लें। आपके काम को बांट लें और काम को पूरा करने के लिए माइक्रो-गोल्स की लिस्ट तैयार कर लें। प्रोडक्टिविटी का राज अपने कमिटमेंट को पूरा करना और समय के साथ अनुशासन बनाए रखना है। प्राडेक्टिविटी आपके लिए क्या है, अगर आप यह समझ गए तो अपने हाथ के काम को पूरा करने के लिए जरूरी एनर्जी आपको मिलेगी और कम समय में भी आप बेहतर रिजल्ट दे पाएंगे।

आईसीसी ने जुलाई महीने के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान किया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को जुलाई के लिए आईसीसी प्लेयर्स ऑफ द मंथ की घोषणा की है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को जहां वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद जुलाई के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है, वहीं श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम की कप्तान चमारी अटापट्टू को आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए चुना गया है। आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गस एटकिंसन ने कहा कि आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीतना वास्तव में सम्मान की बात है। मेरे टेस्ट करियर की शुरुआत अविश्वसनीय रही है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंग्लैंड के साथ अपनी पहली सीरीज में मुझे इतनी सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अपने देश के लिए खेलना

और उसका प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। मुझे पता है कि आगे बहुत मेहनत करनी है। खासकर श्रीलंका के खिलाफ बड़ी सीरीज आने वाली है। मैं निरंतरता बनाए रखने और इंग्लैंड को सफल बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्साहित हूं। आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ विजेता चमारी अटापट्टू ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मैं तीसरी बार आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के रूप में चुने जाने पर खुश और सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह देखकर खुशी हो रही है कि मेरे प्रयासों को, जो मैने मेरे साथियों और कोचों के सहयोग से हासिल किए हैं, क्रिकेट जगत द्वारा लगातार मान्यता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि ये सम्मान उन हजारों लड़कियों को एक सकारात्मक संदेश देंगे, जो पहले से ही मेरे देश में और अन्य जगहों पर क्रिकेट खेल रही हैं और अपने देश के लिए खेलना चाहती हैं।

गस एटकिंसन का वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन- इंग्लैंड के तेज गेंदबाज एटकिंसन ने सबसे लंबे प्रारूप में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शानदार शुरुआत की। उन्होंने पिछले महीने घरेलू धरती पर वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में बेहतरीन प्रदर्शन कर कुल 22 विकेट हासिल किए। वह श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। इंग्लैंड ने यह श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की।

चमारी अटापट्टू की कप्तानी में श्रीलंका ने जीतापहला महिला एशिया कप का खिताब- जुलाई का महीना अटापट्टू के लिए काफी शानदार रहा, जिसमें उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कीं। अटापट्टू की कप्तानी में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पिछले महीने 28 जुलाई को सात बार की चैंपियन भारतीय महिला टीम को फाइनल में हराकर अपना पहला महिला एशिया कप का खिताब जीता था। श्रीलंकाई कप्तान अटापट्टू ने प्रतियोगिता के दौरान 101.33 की औसत और 146.85 की स्ट्राइक रेट से 304 रन बनाए थे। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 63 रन और फाइनल में भारतीय टीम के खिलाफ 61 रन की शानदार पारी खेली थी।

ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करना अच्छा संकेत : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली। लॉस एंजिल्स में 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट शामिल होने से, इस खेल के लिए पूरी तरह से अलग दर्शक वर्ग खुल जाएगा। यह कहना है ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट लीजेंड रिकी पोंटिंग का। उन्होंने कहा कि क्रिकेट को आखिरी बार 1900 में ओलंपिक में शामिल किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने पिछले साल अक्टूबर में मुंबई में आयोजित 141वें आईओसी सत्र में क्रिकेट को शामिल करने की आधिकारिक पुष्टि की थी। रिकी पोंटिंग ने एक कार्यक्रम में कहा कि, यह हमारे खेल के लिए अच्छे संकेत हैं। हम पिछले 15-20 साल से ओलंपिक में क्रिकेट को जगह देने के लिए प्रयास कर रहे थे, आखिरकार यह हो गया है। इवेंट में चार साल बचे हैं। इतने समय में अमेरिका में मेजर क्रिकेट लीग में भी विकास होगा। इससे अमेरिका में जमीनी स्तर पर क्रिकेट का विकास हो सकता है। उन्होंने कहा कि, जब ओलंपिक खेलों की बात आती है तो यह आपके लिए बड़ा दर्शक वर्ग खोलता है। ओलंपिक दुनिया में काफी लोगों के द्वारा देखा जाता है। एक बिल्कुल अलग तरह का दर्शक वर्ग क्रिकेट को ओलंपिक में मिलेगा, जो हमारे खेल के लिए अच्छी बात है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मेंटर या कोच के रूप में

काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, ओलंपिक खेलों में एक क्रिकेट टीम के मेंटर के रूप में रहना, उनके साथ समय बिताना काफी अच्छा काम होगा। मैं कॉमनवेल्थ खेलों में खेलने के लिए भाग्यशाली था और विलेज में एथलीटों के आसपास रहना एक क्रिकेटर के लिए एक काफी शानदार वातावरण था। तो, देखिए, मैं मना नहीं करूंगा, लेकिन मुझे लगता है कि ओलंपिक खेलों में ऑस्ट्रेलियाई टीम के मेंटर या कोच बनने की कोशिश करने के लिए बहुत सारे लोग हाथ उठाएंगे। इसका हिस्सा बनना विशेष होगा, देखिए क्या होता है। पोंटिंग ने यह भी कहा कि क्रिकेट बेसबॉल के फैन बेस की लोकप्रियता का फायदा उठा सकता है। यह खेल अमेरिका में काफी लोकप्रिय है और क्रिकेट से मिलता-जुलता है। अमेरिका में क्रिकेट के विकास की अपार संभावनाएं हैं।

रंगारंग कार्यक्रम, शानदार आतिशबाजी और दिग्गजों की उपस्थिति में हुआ पेरिस ओलंपिक का शानदार समापन

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 रविवार (स्थानीय समयानुसार) को एक चमकदार, सितारों से सजे समापन समारोह के बाद शानदार तरीके से समाप्त हो गया। समारोह की शुरुआत एक क्लासिक संगीत प्रदर्शन के साथ हुई और फ्रांस के तैराक लियोन मार्चैंड एक लालटेन में ओलंपिक मशाल लेकर स्टेड डी फ्रांस पहुंचे, जहां समापन समारोह आयोजित किया जा रहा था। स्टेडियम के अंदर राष्ट्रों की परेड शुरू हुई, जिसमें हजारों की संख्या में मौजूद उत्साही प्रशंसक खुशी से झूम उठे। आईओसी शरणार्थी और ओलंपिक टीम तथा फ्रांस के ध्वजवाहकों ने इसका नेतृत्व किया।

मनु भाकर, श्रीजेश ने किया भारतीय दल का नेतृत्व- पेरिस खेल महाकुंभ में दो बार कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय निशानेबाज मनु भाकर और अपने शानदार, क्लच गोलकीपिंग कौशल से ओलंपिक में भारत के लगातार दूसरे कांस्य पदक में अहम भूमिका निभाने वाले महान हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ध्वजवाहक के रूप में हाथों में भारतीय ध्वज लेकर

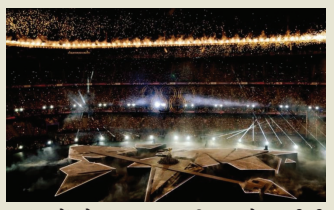

स्टेडियम पहुंचे। ओलंपिक ने श्रीजेश का भारत के लिए अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट भी चिह्नित किया। स्टेडियम के अंदर, महिलाओं की मैराथन प्रतियोगिता के लिए ओलंपिक 2024 का अंतिम पदक समारोह आयोजित किया गया, जो पूर्ण लिंग समानता के साथ पहले ओलंपिक का समापन करने का एक शानदार और प्रतीकात्मक तरीका था। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक और विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने पदक विजेताओं को सम्मानित किया।

लाइट शो और द गोल्डन वोएजर के प्रदर्शन ने जीता दर्शकों का दिल- समापन समारोह में एक आकर्षक लाइट शो और द गोल्डन वोएजर के प्रदर्शन ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जो फ्रांसीसी इतिहास के संदर्भों से प्रेरित एक पात्र है, जिसमें स्पिरिट ऑफ द बैस्टिल भी शामिल है। परंपरा के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान ग्रीक ध्वज फहराया गया, जिससे लोगों को याद दिलाया गया कि बहु-खेल आयोजन की जड़ें ग्रीस में हैं, जिसने 1896 में एथेंस में पहली बार ओलंपिक की मेजबानी की थी। पियरे डी कुबर्टिन के नक्शेकदम पर चलते हुए, जिन्हें 'आधुनिक ओलंपिक के जनक' के रूप में भी जाना जाता है, गोल्डन वोएजर ने पिछले ओलंपिक के अवशेषों को खोदकर उनमें एक नया जीवन भरने का काम किया। शो के दौरान, खेलों की स्थापना और एकता और शांति के उनके मूल्यों को दर्शाने वाले कई प्रतीक खोजे गए। एक प्रभावशाली कोरियोग्राफ़्ड प्रदर्शन में, गोल्डन वोएजर ने ओलंपिक रिंग्स की खोज की और उन्हें स्टेडियम के ठीक बीच में हवा में लहराया गया। ये ओलंपिक रिंग्स पाँच महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो खेल आयोजन में शामिल हैं। प्रदर्शन के दौरान, फ्रांसीसी पियानोवादक और ओपेरा गायक बेंजामिन बर्नहेम ने 'हाइमन टू अपोलो' गाया, जबकि एलेन रोश ने हवा में लंबवत लटके हुए पियानो बजाया। इस शानदार प्रदर्शन के बाद, थॉमस मार्स, डेक डी'आर्सी, क्रिश्चियन माज़ालाई और लॉरेंट ब्रैंकोविट्ज़ से मिलकर बने फ्रांसीसी इंडी-रॉक बैंड फीनिक्स ने उपस्थित प्रशंसकों और एथलीटों के लिए एक के बाद एक धमाकेदार प्रस्तुतियाँ दीं। फ्रांसीसी इलेक्ट्रॉनिक कलाकार कैविंस्की ने रॉक बैंड के साथ अपना 'नाइटकॉल' भी प्रस्तुत किया। इन प्रदर्शनों के बाद, पेरिस 2024 आयोजन समिति के अध्यक्ष टोनी एस्टांगुएट ने भीड़ को संबोधित किया। मंच पर, उनके साथ पाँच महाद्वीपों और शरणार्थी ओलंपिक टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले छह एथलीट शामिल हुए। उनके साथ आईओसी के अध्यक्ष बाक भी थे। टोनी ने सभी एथलीटों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई दी और धन्यवाद दिया और कहा कि वे सभी 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के दौरान फिर से मिलेंगे।

मंच पर मौजूद छह एथलीटों में -बॉक्सर सिंडी नगाम्बा (शरणार्थी ओलंपिक टीम कैमरून, कांस्य पदक), टेबल टेनिस खिलाड़ी सन यिंगशा (चीन, तीन स्वर्ण पदक, दो रजत पदक, एशिया का प्रतिनिधित्व करते हुए). मैराथन धावक एलिउड किपचोगे (केन्या, दो स्वर्ण पदक, एक रजत पदक, एक कांस्य पदक, अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करते हुए), पहलवान मिजैन लोपेज़ (क्यूबा पाँच स्वर्ण पदक, अमेरिका का प्रतिनिधित्व करते हुए), जुडोका टेडी रिनर (फ्रांस, पाँच स्वर्ण पदक, दो कांस्य पदक, यूरोप का प्रतिनिधित्व करते हुए), तैराक एम्मा मैककॉन (ऑस्ट्रेलिया, छह स्वर्ण पदक, तीन रजत पदक, पाँच कांस्य पदक, ओशिनिया का प्रतिनिधित्व करते हुए) शामिल थे।

समारोह में इन दिग्गज कलाकारों और एथलीटों ने भी दी प्रस्तुति- समापन समारोह में ग्रैमी पुरस्कार विजेता आर एंड बी गायिका एच.ई.आर., महान अमेरिकी अभिनेता टॉम क्रूज़, रेड हॉट चिली पेपर्स, रैपर स्नूप डॉग और रैपर-संगीत निर्माता डॉ. ड्रे की प्रसिद्ध अमेरिकी हिप-हॉप जोड़ी, ओलंपियन केट कर्टनी (माउंटेन बाइक, 2020), माइकल जॉनसन (ट्रैक एंड फील्ड एथलेटिक्स, चार बार के ओलंपिक चैंपियन, 1992-2000) और जैगर ईटन (स्केटबोर्डिंग, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता, 2020-2024) ने भी प्रस्तुति दी।

बाक ने खेलों को आधिकारिक रूप से समाप्त घोषित किया- समारोह के समापन के लिए, लियोन मार्चैंड ओलंपिक मशाल को हाथ में लेकर स्टेड डी फ्रांस पहुंचे और बाक ने खेलों को आधिकारिक रूप से समाप्त घोषित कर दिया। इसके बाद मार्चैंड ने मशाल को बुझा दिया।

बाक ने कहा, "परंपरा के अनुसार, मैं दुनिया के युवाओं से चार साल बाद लॉस एंजिल्स, संयुक्त राज्य अमेरिका में इकट्ठा होने का आह्वान करता हूं, ताकि हम सभी के साथ 34वें ओलंपियाड के खेलों का जश्न मना सकें।"

समारोह का समापन फ्रांसीसी कलाकार यिसुल्ट द्वारा प्रसिद्ध फ्रैंक सिनात्रा के क्लासिक, 'माई वे' की व्याख्या के साथ हुआ, जो मूल रूप से एक फ्रांसीसी गीत, "कॉम डी'हैबिट्यूड" पर आधारित था। स्टेड डी फ्रांस में आतिशबाजी के साथ समारोह का शानदार समापन किया गया!

रविवार को 40 स्वर्ण पदक, 44 रजत और 42 कांस्य पदक सहित कुल 126 पदकों के साथ यूएसए पेरिस ओलंपिक 2024 की पदक तालिका में शीर्ष पर रहा।

दूसरे स्थान पर चीन है, जिसने 40 स्वर्ण, 27 रजत और 24 कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया, जिससे उसके कुल पदकों की संख्या 91 हो गई।

तीसरा स्थान पर 45 पदक के साथ जापान रहा, जिसने 20 स्वर्ण, 12 रजत और 13 कांस्य पदक जीते।

भारतीय दल 6 पदक के साथ 71वें स्थान पर रहा, जिसने एक रजत पदक और पाँच कांस्य पदक रहे। भारतीय दल में 117 एथलीट शामिल रहे।

व्यापार

हिंडनबर्ग के झटके से फिसला बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

- सुबह 10 बजे के बाद शेयर बाजार में रिकवरी का रुख

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट के झटके की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज दबाव बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर सेंसेक्स और निफ्टी को सहारा देने की कोशिश भी की, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बढ़ जाने की वजह से दोनों सूचकांक नीचे लुढ़कते चले गए। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद एक बार फिर खरीदारी का जोर बनता नजर आया, जिससे शेयर बाजार

की स्थिति में मामूली सुधार की गुंजाइश बनती दिख रही है। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.41 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 375.79 अंक की गिरावट के साथ 79,330.12 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक में मामूली तेजी आई, लेकिन थोड़ी देर में ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक 479.78 अंक लुढ़क कर 79,226.13 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद एक बार फिर खरीदारों ने दम दिखाया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में सुधार की स्थिति बनती नजर आई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 326.79 अंक की गिरावट के साथ 79,379.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 47.45 अंक लुढ़क कर 24,320.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में मामूली खरीदारी होने के बाद बाजार पर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक 155.40 अंक टूट कर 24,212.10 अंक तक गिर गया। हालांकि सुबह 10 बजे के बाद बाजार में खरीदारी का जोर बनता नजर आया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 101.20 अंक की कमजोरी के साथ 24,266.30 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 819.69 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,705.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 250.50 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,367.50 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

हिंडनबर्ग के झटके से अडाणी ग्रुप के शेयर लहूलुहान, सेंसेक्स और निफ्टी ने की रिकवरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज पहले सत्र के कारोबार में ही अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट के झटके से उबरने में काफी हद तक सफल रहा है। दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली थी। हालांकि हिंडनबर्ग के इस ताजा हमले की वजह से अडाणी ग्रुप एक बार फिर बुरी तरह से लहूलुहान हो गया है। ग्रुप के ज्यादातर स्टॉक्स फिलहाल गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। हिंडनबर्ग ने अपनी रिसर्च रिपोर्ट में 2 दिन पहले ही मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर अडाणी ग्रुप के साथ मिली भगत का आरोप लगाया था। हालांकि माधवी पुरी बुच और अडाणी ग्रुप दोनों ने अपनी ओर से हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को स्वार्थ प्रेरित और निराधार बताते हुए पूरी तरह से खारिज कर दिया है। इसके बावजूद आज अडाणी ग्रुप के शेयरों पर बाजार खुलने के बाद से ही लगातार दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। दोपहर 12 बजे तक के कारोबार में अंबुजा सीमेंट्स के शेयर को छोड़ कर अडाणी ग्रुप के बाकी सभी शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर

रहे थे। सबसे अधिक गिरावट अडाणी टोटल गैस लिमिटेड और अडाणी पावर के शेयर में नजर आ रही थी। दोपहर 12 बजे के कारोबार में अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइज 1.01 प्रतिशत, की गिरावट के साथ कारोबार कर रही थी। इसी तरह एसीसी 1.3 प्रतिशत, अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड 1.5 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनामिक जोन 1.01 प्रतिशत, अडाणी पावर 2.48 प्रतिशत, अडाणी टोटल गैस लिमिटेड 3.82 प्रतिशत, अडाणी विल्मर लिमिटेड 2.31 प्रतिशत और एनडीटीवी के शेयर 2.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। हालांकि अंबुजा सीमेंट के शेयर 0.59 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे।

दिल्ली मेट्रो में सफर होगा और आसान, जारी होंगे वर्चुअल स्मार्ट कार्ड

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) एक नई डिजिटल फीचर पेश करने के बारे में विचार कर रही है। इसके बाद आपको फिजिकल स्मार्ट कार्ड रखने की जरूरत नहीं होगी। जल्द ही दिल्ली मेट्रो के लिए नया वर्चुअल स्मार्ट कार्ड सिस्टम आने वाला है। यह फीचर डीएमआरसी के मोमेंटम 2.0 के अलावा दिल्ली मेट्रो क्यूआर टिकट की सुविधा देने वाले मौजूदा प्लेटफार्मों जैसे वाट्सऐप, पेटीएम, अमेजन पे और वन दिल्ली के जरिए भी उपलब्ध होगी। आसान भाषा में समझें तो मौजूदा क्यूआर कोड केवल सिंगल जर्नी के लिए मान्य होता है, यात्रियों को हर जर्नी के लिए एक नया क्यूआर कोड लेना होता है। यात्री वर्चुअल स्मार्ट कार्ड के जरिए मल्टीपल जर्नी के लिए एक ही क्यूआर कोड का इस्तेमाल

कर सकेंगे। डीएमआरसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम स्टोर किए गए वैल्यू के लिए क्यूआर को पेश करने की योजना बना रहे हैं। यह एक ट्रेडिशनल कार्ड की तरह होगा जो एक ही यात्रा तक सीमित नहीं होगा। यह पेपर प्रिंट की संख्या को भी कम करेगा। दिल्ली मेट्रो वर्चुअल स्मार्ट कार्ड मेट्रो काउंटरों पर उपलब्ध फिजिकल स्मार्ट कार्ड की तरह ही काम करेगा। इसे स्मार्टफोन पर स्टोर किया जा सकेगा। यात्री डीएमआरसी मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके अपने क्यूआर वॉलेट को टॉप अप कर सकते हैं और यात्रा के लिए क्यूआर कोड जनरेट करने के लिए स्टोर वैल्यू का इस्तेमाल कर सकते हैं। आपका वर्चुअल स्मार्ट कार्ड बैलेंस ऐप में सुरक्षित रूप से जमा रहेगा। अगर आपका मोबाइल गुम हो जाता है, तो भी आप अपने कार्ड के फंड तक पहुंचने के लिए दूसरे डिवाइस पर लॉग इन कर सकते हैं।

एक्सपर्ट्स ने खारिज की हिंडनबर्ग की रिपोर्ट, एएमएफआई ने भी दी नजरअंदाज करने की सलाह

हिंडनबर्ग रिपोर्ट का उद्देश्य सिर्फ पैनिक का माहौल बनाना है: एएमएफआई

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप और सेबी के चेयरपर्सन पर गंभीर आरोप जरूर लगाए गए हैं लेकिन मार्केट एक्सपर्ट्स ने इस रिसर्च रिपोर्ट को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि हिंडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट ने आज कारोबार की शुरुआत में शेयर बाजार पर मामूली असर जरूर डाला था लेकिन शुरुआती 1 घंटे के कारोबार में ही बाजार ने रिकवरी शुरू कर दी थी। बाजार की रिकवरी का सबसे अहम कारण हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में विश्वसनीयता की कमी होना बताया जा रहा है। एडलवाइज फाइनेंशियल एंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के चीफ एनालिस्ट मोहन सुतार का मानना है कि हिंडनबर्ग के किसी भी आरोप में कोई दम नहीं है। इसके पहले भी इस अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म की कथित रिसर्च रिपोर्ट की वजह से घरेलू शेयर बाजार को काफी झटका

लग चुका है। पहले भी हिंडनबर्ग ने अपनी रिसर्च रिपोर्ट के बाद बाजार में बने पैनिक का फायदा उठाते हुए जमकर शॉर्ट सेलिंग की थी। इसके पहले भी यह कंपनी 18 बार अपने अलग-अलग रिसर्च रिपोर्ट के जरिए दुनिया की अलग-अलग कंपनियों को निशाना बनाती रही है और शॉर्ट सेलिंग करके बड़ा मुनाफा कमाती रही है। मोहन सुतार का कहना है कि हिंडनबर्ग की पिछली रिपोर्ट की वजह से भी भारतीय निवेशकों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा था। इसलिए अब भारतीय निवेशक इस शॉर्ट सेलर फर्म की नीतियों के प्रति सतर्क हो चुके हैं। यही कारण है कि आज बाजार में शुरुआती गिरावट के बावजूद थोड़ी ही देर में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने रिकवरी करके हरे निशान में अपनी जगह बना ली। मोहन सुतार की तरह ही राठी सिक्योरिटीज एंड फंड्स लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट सुरेंद्र राठी का कहना है कि निवेशकों को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देना चाहिए, क्योंकि हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों पर सेबी के चेयरपर्सन और अडानी ग्रुप दोनों ने अपनी सफाई दे दी है। इस सफाई से स्पष्ट है कि हिंडनबर्ग ने सतही जानकारी के आधार पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है और उसके जरिए भारतीय बाजार में एक बार फिर पैनिक बनाने की कोशिश की है। अलग-अलग एक्सपर्ट्स की तरह ही एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने भी एक बयान जारी करके कहा है कि हिंडनबर्ग की ओर से लगाए गए आरोप भारत के कैपिटल मार्केट को नीचा दिखाने की एक कोशिश है। इस रिपोर्ट के जरिए देश की अर्थव्यवस्था और आर्थिक तरक्की को भी नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है। अपनी रिपोर्ट जारी करके हिंडनबर्ग ने सिर्फ घरेलू शेयर बाजार में सनसनी फैलाने की कोशिश की है, जिससे कि पहले की तरह ही भारतीय बाजार में हड़कंप जैसा माहौल बनाया जा सके। एएमएफआई के बयान में कहा गया है कि भारत ने एक रेगुलेटरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है, जो न केवल ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस और स्टैंडर्ड के मुताबिक काम करता है बल्कि ये छोटे निवेशकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करता है और उनके विश्वास को भी बनाए रखता है। एएमएफआई की ओर से कहा गया है कि हिंडनबर्ग के आरोप देश की आर्थिक उपलब्धियों को बदनाम करने की कोशिश हैं। इसलिए इन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर देना चाहिए।

12 अगस्त को रिलीज होगा कंगुवा का धमाकेदार ट्रेलर

मेकर्स ने पोस्टर शेयर कर बताई तारीख

स्टूडियो ग्रीन प्रोडक्शन में बनी फिल्म कंगुवा इस साल की बड़ी फिल्मों में एक है जिसके पोस्टर्स ने लोगों में फिल्म के लिए एक्साइटमेंट बढ़ा दी है. शिवा के निर्देशन में बनी कंगुवा का मच अवेटेड ट्रेलर 12 अगस्त को रिलीज किया जाएगा और इसकी जानकारी मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर दी है. ट्रेलर को देखकर फैंस का इंतजार और भी बेसब्री से बढ़ जाएगा. कंगुवा के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक नया पोस्टर शेयर किया है और इसके साथ ही फिल्म के मच अवेटेड ट्रेलर रिलीज की तारीख की बताई है. साथ ही फिल्म से जुड़ी और बातें चलिए बताते हैं. स्टूडियो ग्रीन्स ने एक नया पोस्ट शेयर किया है जिसमें सूर्या तलवार लेकर एक्शन की मुद्रा में बैठे हैं. इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, इंतजार हुआ खत्म, जीत का समय करीब आ रहा है. एक अनोखे जश्न के लिए तैयार हो जाइए. द ग्रैंड कंगुवा ट्रेलर इस 12 अगस्त से आपका होने के लिए तैयार है. टकंगुवा इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म है. 350 करोड़ से ज़्यादा के अनुमानित बजट के साथ यह पुष्पा, सिंघम और कई दूसरी बड़ी फिल्मों से भी बड़ी है. फिल्म की शूटिंग अलग अलग कॉन्टिनेंट्स के 7 अलग देशों में की गई है. मेकर्स के दिमाग में फिल्म के लिए एक अपनी तरह का लुक है, क्योंकि यह प्रीहिस्टोरिक पीरियड को दिखाने वाली अनोखी फिल्म है. मेकर्स ने टेक्निकल डिपार्टमेंट जैसे एक्शन और सिनेमेटोग्राफी के लिए हॉलीवुड एक्सपर्ट्स को हायर किया है. फिल्म में कुल 10 हजार लोगों से ज्यादा के साथ शूट किया गया, सबसे बड़ा वॉर सीक्वेंस भी है. इतना ही नहीं, स्टूडियो ग्रीन ने टॉप डिस्ट्रीब्यूशन हाउसेज के साथ हाथ मिलाया है, ताकि फिल्म को बड़े लेवल पर दुनिया भर में रिलीज किया जा सके. फिल्म को 10 अक्टूबर 2024 को रिलीज करने की तैयारी है.

खेल खेल में का नया गाना डू यू नो हुआ आउट

दिलजीत दोसांझ के पार्टी ट्रैक पर जश्न मनाते नजर आए सितारें

खेल खेल में स्वतंत्रता दिवस 2024 पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अक्षय कुमार और तापसी पन्नू, वाणी कपूर, फरदीन खान , एमी विर्क, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल सहित बाकी स्टार कास्ट हंसी और रहस्यों से भरपूर सवारी का वादा करते हैं। अब इसी बीच फिल्म का एक नया गाना अब रिलीज़ हो गया है। डू यू नो दिलजीत दोसांझ के ओरिजिनल वर्जन का रीक्रिएशन है और इसमें दोस्तों के समूह को अपनी 'यारी मनाते हुए दिखाया गया है। आपको बता दें कि निर्माताओं ने आगामी फिल्म 'खेल खेल में के एल्बम से एक नया गाना रिलीज़ किया। मूल संगीत बी प्राक द्वारा रचित था और तनिष्क बागची द्वारा फिर से बनाया गया था। इसकी आकर्षक धुनें आपको अपने दोस्तों के साथ थिरकने पर मजबूर कर देंगी। इस जोशीले ट्रैक में अक्षय कुमार, वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, फरदीन खान, आदित्य सील और प्रज्ञा जायसवाल जैसे कलाकार एक क्लब में एक साथ पार्टी करते हुए दिखाई देते हैं। अक्षय के डांस मूव्स हाइलाइट हैं, जबकि वाणी और तापसी के साथ उनकी केमिस्ट्री ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है। इसे यारों वाली फिल्म का यारी वाला एंथम कहा गया है। इस म्यूज़िक वीडियो के कमेंट सेक्शन में फैन्स ने अपनी उत्साही प्रतिक्रियाओं से तुरंत बाढ़ ला दी। एक यूजर ने लिखा, 'अक्षय कुमार, जानी, एमी, तापसी, वाणी, तनिष्क- रोंगटे खड़े कर देने वाले।, दूसरे ने अक्षय के डांस की तारीफ करते हुए लिखा, 'अक्की का डांस मूव कमाल का था। तीसरे यूजर ने लिखा, 'दिलजीत दोसांझ का मशहूर गाना प्त डू यू नो इसे स्टाइल में फिर से बनाया गया है और अक्षय कुमार ब्लैक आउटफिट में शानदार दिख रहे हैं। तीसरे यूजर ने लिखा, 'यह एक बेहतरीन पार्टी सॉन्ग है, इसे मिस न करें। कई यूजर्स ने इसे ब्लॉकबस्टर कहा और अपनी प्रशंसा व्यक्त करने के लिए लाल दिल और आग वाले इमोजी ड्रॉप किए। खेल खेल में गुलशन कुमार, टी-सीरीज और वाकाओ फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है। टी-सीरीज फिल्म्स, वाकाओ फिल्म्स और केकेएम फिल्म प्रोडक्शन, कॉमेडी का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है और इसका निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी. शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और फिरुजी खान ने किया है। बता दें कि खेल खेल में 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

किच्चा सुदीप की फिल्म मैक्स का दमदार टीजर रिलीज़

एक्शन अवतार में नजर आए अभिनेता

किच्चा सुदीप के प्रशंसक उनकी आगामी फिल्म की झलक देखने का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। अब फैंस को तोहफा देते हुए निर्माताओं ने उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म मैक्स का आधिकारिक टीजर रिलीज कर दिया है। विजय कार्तिकेय के निर्देशन में बनी इस कन्नड़ फिल्म में किच्चा सुदीप मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके अलावा इस फिल्म में तेलुगु अभिनेता सुनील, प्रमोद शेट्टी, वरलक्ष्मी सरथकुमार, संयुक्ता हॉर्नड, सुक्रथा वागले और अनिरुद्ध भट भी हैं। रिलीज हुआ फिल्म का यह टीजर हुए एक मिनट और छह सेकंड का है। इसमें कन्नड़ सुपरस्टार दमदार एक्शन अवतार में नजर आए हैं। फिल्म की झलक देखने के बाद एक्शन-थ्रिलर के शौकीनों का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ गया है। टीजर को देखने के बाद अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसमें एक्शन के साथ लोगों को भरपूर ड्रामा भी देखने को मिलेगा। टीजर में किच्चा सुदीप के एक्शन सीन की लोग जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। महज कुछ ही घंटों में फिल्म के कन्नड़ संस्करण वाले टीजर ने चाल लाख से ज्यादा व्यूज बटोर लिए हैं। वहीं, हिंदी भाषा में फिल्म के टीजर को एक लाख 80 हजार बार देखा जा चुका है। इस फिल्म का संगीत बी अजनीश लोकनाथ ने तैयार किया है। वहीं, छायांकन शेखर चंद्रा ने किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो किच्चा सुदीप को आखिरी बार बड़े पर्दे पर विक्रांत रोणा नाम की फिल्म में देखा गया था। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कुल 80 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

सैटिन आउटफिट पहन भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमना

हॉट लुक देख मदहोश हुए फैंस

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपने बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही कहर बरपाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान सैटिन ब्लू कलर का सिंपल गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर अपना दिल हार जाते हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए तारीफ करते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवाया है। नेहा मलिक ने अपने आउटलुक कंप्लीट करने के लिए बालों को ओपन किया है और साथ ही लाइट मेकअप कर के अपने लुक को निखारा है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक स्टाइल फैंस फॉलो करते हैं। नेहा मलिक के कई लुक ऐसे होते है जोकि लोगों के बीच ट्रेंड करता है।

अभिनेत्री श्रीति झा ने शब्बीर अहलूवालिया को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

एक्ट्रेस श्रीति झा ने अभिनेता शब्बीर अहलूवालिया को उनके 45वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। उन्हें सबसे कूल दोस्त बताते हुए श्रीति ने कहा कि वह हमेशा सब का दिन खास बना देते हैं। टेलीविजन अभिनेत्री ने कैप्शन में सबसे पहले शब्बीर का एक कोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, आपके पास हमेशा किसी का दिन खराब करने और उसे बेहतर बनाने के बीच चुनने का विकल्प होता है। हमेशा बाद वाले को चुनने की कोशिश करें - शब्बीर अहलूवालिया। इसके बाद श्रीति ने लिखा, वह हमेशा सब का दिन बना देता है। बेहतर है ऐसा करते रहो उड़ता करेला - शब्बीर अहलूवालिया (बेशक यह दुनिया के सभी फ्रेज में मेरा पसंदीदा फ्रेज है)। हैप्पी बर्थडे शब्बीर अहलूवालिया। आप सबसे अच्छे दोस्त हैं श्रीति और शब्बीर ने टेलीविजन शो कुमकुम भाग्य में साथ काम किया है। वे शो में प्रज्ञा और अभि की भूमिकाओं में दिखे और उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आई। शब्बीर ने 1999 में हिप हिप हुर्रे से शोबिज की दुनिया में कदम रखा, जहां उन्होंने पूरब की भूमिका निभाई। लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा ख्याति मिली क्योंकि सास भी कभी बहू थी में उनके काम से। इसके बाद उन्हें संजीवनी, क्या हादसा क्या हकीकत, कहीं तो मिलेंगे, काव्यांजलि, कसम से, कसौटी जिंदगी की, कयामत और लागी तुझसे लगन जैसे शो में देखा गया। साल 2007 में उन्होंने शूटआउट एट लोखंडवाला से फिल्मों में अपनी शुरुआत की। इसके बाद उन्हें मिशन इस्तांबुल में देखा गया, जो 2008 में रिलीज हुई थी।

वीडी12 से विजय देवरकोंडा का खौफनाक फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

28 मार्च 2025 को रिलीज होगी फिल्म

साउथ सिनेमा के हिट एक्टर विजय देवरकोंडा की अगली फिल्म वीडी12 (अनटाइटल) है. विजय अपनी इस फिल्म से काफी समय से चर्चा में हैं. विजय के फैंस उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. विजय ने अपने फैंस के लिए शानदार तोफशा पेश किया है. विजय ने आज वीडी12 की रिलीज डेट का एलान कर दिया है. साथ ही एक्टर ने फिल्म से अपना फर्स्ट लुक पोस्टर भी जारी किया है. विजय के फैंस को फिल्म के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा. विजय को इससे पहले फिल्म कल्कि 2898 एडी में कैमियो करते हुए देखा है और वहीं बतौर एक्टर उनकी फिल्म द फैमिली स्टार रिलीज हुई थी. वीडी12 को गौतम तिन्नुरी डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं, फिल्म वीडी12 से आए पोस्टर में विजय खूंखार अवतार में दिख रहे हैं. यह फिल्म 28 मार्च 2025 को रिलीज होगी. फिल्म की रिलीज डेट और पोस्टर शेयर कर विजय ने लिखा है, उसकी मंजिल उसका इंतजार कर रही है,

गलतियां, खून, सवाल, पुर्नजन्म, 28 मार्च 2025 वीडी12 . रिपोर्ट्स की मानें तो, वीडी12 की शूटिंग एक महीने के अंदर श्रीलंका में शुरू होने वाली है, जहां फिल्म के अहम सीन शूट किए जाएंगे. इससे पहले वीडी12 का 30 दिनों का स्पेशल शूट विजाग (आंध्र प्रदेश) में पूरा हो चुका है. इसमें ज्यादातर सीन बीच लोकेशन के हैं. वीडी12 एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है, जो अब श्रीलंका में शूट होगी. नागा वाम्सी इस फिल्म को सितारा एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं. बता दें, वीडी12 विजय की पहली कॉपी फिल्म है. फिल्म में विजय का एक्शन अवतार देखने को मिलेगा, जो एक्टर के फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है. कॉप लुक में कोई कमी ना रह जाए इसलिए एक्टर ने इसके लिए फिजिकली भी खूद को खूब ट्रांसफॉर्म किया है.